संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

www.ghatatighatana.com
ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 334- गुरूवार 09 अक्टूबर 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

आंध्र प्रदेश की पटाखा फैक्ट्री में आग,6 की मौत

शव पूरी तरह झुलसे,पहचान पाना भी मुश्किल हुआ,कई घायल

रायवरम,08 अक्टूबर 2025 (ए)। आंध्र प्रदेश के डॉ. बीआर अंबेडकर कोनासीमा जिले के रायवरम में बुधवार को एक पटाखा फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। बुरी तरह झुलस गए शवों की पहचान कर पाना मुश्किल हो रहा है। कई लोग घायल हैं। मृतकों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है। स्क्र राहुल मीणा ने बताया कि हादसे में मारे गए लोगों के शव बुरी तरह झुलस गए हैं। मृतक पटाखा फैक्ट्री के मजदूर हो सकते हैं। शवों की पहचान की जा रही है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। पटाखा फैक्ट्री के पास मैन्युफैक्चरिंग का लाइसेंस था।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में पटाखा बनाने के दौरान शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका की खबरें हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने एक्स पर लिखा कि कोनासीमा ज़िले के रायवरम में बाना सांचा निर्माण केंद्र में आग लगने की घटना से हड़कंप मच गया है। इस दुखद दुर्घटना में कई लोगों की जान जाने से अपार दुःख हुआ है। मैंने अधिकारियों से दुर्घटना के कारणों, वर्तमान स्थिति, राहत उपायों और चिकित्सा सहायता के बारे में बात की है। मैंने वरिष्ठ अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से घटनास्थल का दौरा करने और राहत कार्यों में भाग लेने का निर्देश दिया है। मैंने सलाह दी है कि घायलों को बेहतर चिकित्सा सहायता प्रदान की जाए। हम प्रभावित परिवारों के साथ हैं। दूसरी ओर,गृह मंत्री अनीता ने घटना पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने जिले के एसपी और अग्निशमन विभाग के अधिकारियों से बात की।

प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा...कई धमाके सुने

घटना के कई वीडियो सामने आए हैं। एक वीडियो में पूरी फैक्ट्री आग की लपटों से घिरी दिखी। एक अन्य वीडियो में एक व्यक्ति का शव पूरी तरह झुलसा दिख रहा है। वहीं, दूर से रिकॉर्ड किए एक वीडियो में फैक्ट्री से धुएं का गुबार काफी ऊंचाई तक उठता हुआ दिखा। इस दौरान कई धमाके भी हुए।

प्रधानमंत्री ने दिल्ली स्थित यशोभूमि में इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 के 9वें एडिशन का उद्घाटन किया।

भारत कभी 2जी के लिए जूझता था,आज सभी जिलों में 5जी कनेक्टिविटी:पीएम मोदी

नई दिल्ली,08 अक्टूबर 2025 (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दिल्ली स्थित यशोभूमि में इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 के 9वें एडिशन का उद्घाटन किया। यह एशिया का सबसे बड़ा टेलीकॉम,मीडिया और टेक्नोलॉजी इवेंट है। पीएम ने कार्यक्रम को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा-जब मैंने मेक इन इंडिया की बात कही थी तो कुछ लोग इसका मजाक उड़ाते थे। उन्हें जवाब मिल गया है। जो देश कभी 2जी को लेकर स्ट्रगल करता था, आज उसी देश के सभी जिले में 5जी पहुंच गया है।आज भारत में 1जीबी वायरलेस डेटा की कीमत एक कप चाय से भी कम है। पीएम ने कहा-भारत ने मेड इन इंडिया 4जी स्टैक लॉन्च किया है। अब भारत उन 5 देशों की लिस्ट में आ गया है, जिनके पास यह क्षमता है। पूरी दुनिया भारत की क्षमता को पहचान रही है। हमारे पास दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा टेलीकॉम और 5जी मार्केट है। यह भारत में निवेश, नवाचार और निर्माण का सबसे सही समय है।

टेक्नोलॉजी फॉलो करने वाला भारत आज सबसे आगे : सिंधिया

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा...आज हमारी दूरसंचार क्रांति चार डी पर आधारित है-डेमोक्रेसी, डेमोग्राफी, डिजिटल फर्स्ट और डिलीवरी। 2014 में 1जीबी डेटा की कीमत 287 हुआ करती थी। आज उसी 1जीबी डेटा की कीमत केवल 9.11 है। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा...यह सिर्फ दूरसंचार क्रांति नहीं है। यह विकसित भारत की क्रांति है। कौशल हमें शक्ति देता है, सुरक्षा हमें आत्मविश्वास देती है और संप्रभुता हमें आत्मनिर्भर बनाती है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत दुनिया पर निर्भर देश से आत्मनिर्भर भारत में बदल रहा है। केंद्रीय संचार मंत्री ने कहा...आज दुनियाभर के बीस देश भारत के डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर मॉडल को अपनाने के लिए चर्चा कर रहे हैं। दूसरे देशों से टेक्नोलॉजी लेने और फॉलो करने वाला भारत आज विश्व का डिजिटल ध्वजवाहक बन गया है।

150 से ज्यादा देशों से 1.5 लाख से ज्यादा स्पीकर्स शामिल होंगे

इंडियन मोबाइल कांग्रेस 8 से11अक्टूबर तक चलेगी। इसमें देश-विदेश की कंपनियां,स्टार्टअप्स और विशेषज्ञ नई तकनीकों को पेश करेंगे। इसमें भारत, कनाडा, जापान,ब्रिटेन,रूस सहित 150 से ज्यादा देशों से 1.5 लाख से ज्यादा स्पीकर्स,7000 से ज्यादा ग्लोबल डेलिगेट्स और 400 से ज्यादा कंपनियां भाग लेंगी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक प्रेस रिलीज में बताया कि इस कार्यक्रम को डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्युनिकेशन और सेल्युलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने संयुक्त रूप से आयोजित किया है।

इवेंट में 6जी,एआई और साइबर सुरक्षा जैसे विषयों पर चर्चा होगी

इस बार इंडिया मोबाइल कांग्रेस ऑप्टिकल कम्युनिकेशन, सेमीकंडक्टर्स इन टेलीकॉम,क्वांटम कम्युनिकेशन,6जी और फ्रॉड रिस्क इंडिकेटर्स पर केंद्रित होगा,जो अगली पीढ़ी की कनेक्टिविटी,डिजिटल संप्रभुता,साइबर फ्रॉड की रोकथाम और ग्लोबल टेक्नोलॉजी लीडरशिप में भारत की रणनीतिक प्राथमिकताओं को दर्शाता है। आईएमसी 2025 में 1,600 से ज्यादा नई तकनीकी उपयोगिताएं पेश की जाएंगी,जो 5जी/6जी,आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्मार्ट मोबिलिटी,क्वांटम कंप्यूटिंग,साइबर सुरक्षा और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों से जुड़ी होंगी।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तानी तालिबान के हमले में 11 पाकिस्तान सैनिकों की मौत

मुठभेड़ में 19 लड़ाके भी मारे गए

इस्लामाबाद,08 अक्टूबर 2025 (ए)। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के हमले में मंगलवार रात को 11 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हो गई। इसमें 2अधिकारी और 9 सैनिक शामिल हैं। अफगानिस्तान सीमा के पास पाकिस्तानी सेना टीटीपी के खिलाफ ऑपरेशन चला रही थी। इस दौरान दोनों के बीच मुठभेड़ हो गई। इसमें टीटीपी के19 लड़ाके भी मारे गए हैं। पाकिस्तानी सेना की मीडिया विंग इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशन ने आरोप लगाया कि हमलावरों को भारत का समर्थन मिल रहा है। सेना ने दावा किया कि वह इन्हें खत्म करने में जुटी है। पिछले कुछ महीनों से टीटीपी ने पाकिस्तान में सुरक्षा बलों पर हमले तेज कर दिए हैं।

हमलावरों ने पाक सेना पर बम फेंका, फायरिंग की...

रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी सैनिक टीटीपी के खिलाफ कुर्रम जिले में ऑपरेशन को अंजाम देने पहुंचे थे। इसी दौरान हमलावरों ने उनकी गाड़ी पर बम से हमला किया और फिर फायरिंग की। रॉयटर्स को भेजे गए एक बयान में पाकिस्तानी तालिबान (टीटीपी) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली और कहा कि उनके लड़ाकों ने काफिले को निशाना बनाया। पाकिस्तानी सेना ने अपने बयान में कहा कि उन्हें कुर्रम में इंडियन प्रॉक्सी संगठन फितना अल-ख्वारिज से जुड़े आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी,जिसके बाद ऑपरेशन चलाया गया। पाकिस्तानी सेना टीटीपी को फितना अल-ख्वारिज बुलाती है। यह एक अरबी शब्द है। फितना का मतलब 'उपद्रवी' और अल-ख्वारिज का मतलब 'चरमपंथ के रास्ते पर चले जाने वाले लोग' होते हैं।

उत्तर बंगाल में हुई तबाही का राज्य सरकार कराए आपदा मानचित्रण : किरेन रिजिजू

कोलकाता,08 अक्टूबर 2025 (ए)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को पश्चिम बंगाल सरकार से आग्रह किया कि वह उत्तर बंगाल में हाल में आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन से हुई तबाही का त्वरित आपदा मानचित्रण (फ्लड मैपिंग) कराए, ताकि राहत, पुनर्वास और दीर्घकालिक पुनर्निर्माण कार्य प्रभावी ढंग से किए जा सकें। दो दिवसीय दौरे पर दार्जिलिंग और मिरिक पहुंचे रिजिजू के साथ दार्जिलिंग के सांसद राजू बिष्ट और विधायक नीरज जिंबा भी थे। उन्होंने बिजनबाड़ी, थानेलाइन और पुलबाजार जैसे सबसे अधिक प्रभावित इलाकों का दौरा किया,जहां मूसलाधार बारिश से छोटा रंगीत पुल ढह गया और कई सड़कों का अस्तित्व मिट गया। पत्रकारों से बातचीत में बुधवार को रिजिजू ने कहा, स्थानीय प्रशासन, विधायक और सांसद जमीनी स्तर पर सराहनीय कार्य कर रहे हैं, लेकिन दीर्घकालिक समाधान के लिए राज्य सरकार को आपदा की वास्तविक सीमा का मानचित्रण कर नेतृत्व लेना होगा। केवल सही योजना बनाकर ही घरों, पुलों और सड़कों का पुनर्निर्माण संभव है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पूरी तरह तैयार है वित्तीय सहायता देने के लिए,लेकिन इसके लिए राज्य सरकार को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) प्रस्तुत करना होगा। रिजिजू ने विशेष रूप से पुलबाजार के छोटा रंगीत पुल के ध्वस्त होने का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य को तत्काल डीपीआर तैयार करनी चाहिए ताकि केंद्र जल्द से जल्द सहायता भेज सके। केंद्रीय मंत्री ने इस विनाश को अभूतपूर्व बताते हुए कहा, मैं दार्जिलिंग कई बार आया हूं, लेकिन इतनी भीषण तबाही कभी नहीं देखी। राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर केंद्र और राज्य को मिलकर पुनर्निर्माण और दीर्घकालिक पुनर्वास सुनिश्चित करना होगा।

अयोध्या में केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने दक्षिण के तीन संतों की मूर्तियों का किया अनावरण

अयोध्या,08 अक्टूबर 2025 (ए)। उत्तर और दक्षिण भारत की सांस्कृतिक एकता का अद्भुत संगम बुधवार को अयोध्या की पावन भूमि पर देखने को मिला। दो दिवसीय दौरे पर बुधवार को अयोध्या पहुंचीं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मिलकर दक्षिण भारत के तीन महान संगीत संतों त्यागराज स्वामीगल, पुरंदर दास और अरुणाचल कवि की मूर्तियों का बृहस्पति कुंड में भव्य अनावरण किया। टेढ़ी बाजार स्थित बृहस्पति कुंड का वातावरण उस समय भक्तिरस और संगीत की पवित्र भावना से सरोबार हो उठा जब केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री ने दक्षिण भारतीय परंपरा के अनुसार पूजा-अर्चना कर अनावरण समारोह की शुरुआत की। इस दौरान केंद्रीय मंत्री के माता-पिता भी मौजूद रहे, जिससे यह पल और भी भावनात्मक हो गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय वित्त मंत्री का पुष्पगुच्छ भेंट कर पारंपरिक अयोध्या शैली में स्वागत किया। उन्होंने कहा कि बृहस्पति कुंड केवल एक ऐतिहासिक स्थल नहीं, बल्कि सांस्कृतिक समरसता का प्रतीक है, जहां उत्तर भारत की श्रद्धा और दक्षिण भारत की भक्ति का संगम होता है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कार्यक्रम में कहा कि अयोध्या केवल आस्था का केंद्र नहीं,बल्कि भारत की सांस्कृतिक आत्मा का प्रतीक है। उन्होंने तीनों संतों के योगदान को नमन करते हुए कहा कि त्यागराज स्वामीगल,पुरंदर दास और अरुणाचल कवि ने भारतीय शास्त्रीय संगीत और भक्ति परंपरा को विश्व पटल पर स्थापित किया। उनके काव्य और रचनाओं ने समाज को प्रेम,भक्ति और एकता के सूत्र में पिरोया।

सीतारमण ने बृहस्पति कुंड की भव्यता और शांति देखकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि अयोध्या और कर्नाटक के सांस्कृतिक संबंध सदियों पुराने हैं।

मुख्य न्यायाधीश पर हमले की कोशिश निंदनीय,आरोपी वकील को मिले सजा : खरगे

नई दिल्ली,08 अक्टूबर 2025 (ए)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बीआर गवई पर जूता फेंकने की कोशिश को गंभीर अपराध बताते हुए आरोपी वकील के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने इस घटना को न्यायपालिका की गरिमा पर सीधा हमला बताया और कहा कि ऐसी मानसिकता को समाज में बिल्कुल जगह नहीं मिलनी चाहिए। खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म (एक्स) पर एक वीडियो जारी करते हुए कहा कि उच्चतम न्यायालय में जो घटना घटी,वह अत्यंत निंदनीय है। जो उच्चतम न्यायालय जैसे सर्वोच्च संवैधानिक संस्थान में बैठकर मुख्य न्यायाधीश या किसी अन्य न्यायमूर्ति का अपमान करता है,और जूता फेंकने जैसा कृत्य करता है,वह सिर्फ एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि संविधान और न्याय व्यवस्था का अपमान करता है। इस तरह की सोच और विचारधारा, जो न्यायपालिका की मर्यादा को ठेस पहुंचाती है,वह समाज में गंदगी फैलाने के समान है। ऐसे वकीलों को केवल बार एसोसिएशन द्वारा निंदा ही नहीं, बल्कि आवश्यक कानूनी सजा भी दी जानी चाहिए।

आजम पर केस करके भाजपा रिकॉर्ड बना रही : अखिलेश यादव

आजम ने कहा- सब तिनका-तिनका हुआ, रिहाई के बाद सपा प्रमुख से मिले

रामपुर,08अक्टूबर 2025 (ए)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आजम खान के जेल से छूटने के बाद पहली बार मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच बंद कमरे में 2 घंटे तक बातचीत चली। इस दौरान आजम की पत्नी और बेटे भी मौजूद नहीं थे। बाहर निकलने पर अखिलेश ने कहा-आजम साहब बहुत पुराने नेता हैं। उनका गहरा साया हमेशा हमारे साथ रहा है। आजम खान हमारी पार्टी का दरख्त (पेड़) हैं। आजम परिवार पर भाजपा केस करके वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाना चाहती है। यह बड़ी लड़ाई है और उसमें हम सब मिलकर लड़ेंगे। इससे पहले,सपा प्रमुख को आजम ने खुद रिसीव किया। इसके बाद अखिलेश और आजम एक ही कार में बैठकर घर पहुंचे। अखिलेश बुधवार सुबह साढ़े 11 बजे लखनऊ से निजी विमान से रामपुर के लिए रवाना हुए। वह पहले बरेली एयरपोर्ट पर पहुंचे। यहां से हेलिकॉप्टर से दोपहर 12:45 बजे रामपुर की जौहर यूनिवर्सिटी में लैंड हुए। इधर, आजम की नाराजगी के चलते अखिलेश ने रामपुर से सांसद मोहिबुल्लाह नदवी को बरेली में ही छोड़ दिया। दरअसल, आजम ने मंगलवार को कहा था-मैं सिर्फ अखिलेश से मिलूंगा, किसी और से नहीं। मैं रामपुर सांसद से वाकिफ नहीं हूं। मेरी उनसे कभी मुलाकात नहीं हुई। 23 सितंबर को आजम खान जेल से रिहा हुए थे। उस समय अखिलेश उन्हें रिसीव करने नहीं पहुंचे थे। तब आजम ने कहा था...हम कोई बड़े नेता नहीं हैं।

पाकिस्तान को 4 दिन में धूल चटाई:एयरफोर्स चीफ

योजना और दृढ़ निश्चय से क्या हासिल कर सकते हैं,ऑपरेशन सिंदूर इसका उदाहरण

गाजियाबाद,08 अक्टूबर 2025 (ए)। भारतीय वायुसेना का 93 वां वायुसेना दिवस गाजियाबाद के हिंडन स्थित एयरफोर्स स्टेशन पर मनाया जा रहा है। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा...ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना ने शत्रु पर सिर्फ चार दिनों में विजय प्राप्त की। उन्होंने कहा...ऑपरेशन सिंदूर में हमारा प्रदर्शन हमें पेशेवर गौरव से भर देता है। ऑपरेशन सिंदूर इस बात का एक शानदार उदाहरण है कि सावधानी के साथ योजना बनाकर, अनुशासन के साथ ट्रेनिंग और दृढ़ निश्चय के साथ क्या हासिल किया जा सकता है। स्वदेशी हथियारों ने दुश्मन के इलाके में अंदर तक सटीक प्रहार किए। इससे पहले वायुसेना के विमानों ने शानदार करतब दिखाए। विमानों से तिरंगा लहराया गया। इस साल वायुसेना दिवस की थीम 'सक्षम,सशक्त,आत्मनिर्भर' है। यह दिवस ऑपरेशन सिंधु के वीर योद्धाओं को समर्पित है। इस मौके पर वायुसेना के साहस और शौर्य के लिए 97 वीरता पुरस्कार प्रदान किए गए।

वायु योद्धाओं में जवाबदेही की संस्कृति बढ़ी : एपी सिंह

एयर चीफ मार्शल बोले- हमारे लिए नई प्रणालियों, हथियारों और उपकरणों के एकीकरण की बढ़ी हुई गति अहम सफलता रही है। मैं देख सकता हूं कि वायु योद्धाओं में जवाबदेही और सुरक्षा की संस्कृति बढ़ी है। यह साफ दिखाई भी दे रहा है। सभी स्तरों पर वायुवीर आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं और असाधारण दूरदर्शिता और सहानुभूति का प्रदर्शन कर रहे हैं। वे यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि प्रत्येक व्यक्ति को आवश्यक प्रशिक्षण मिले और वह प्रेरित हो।

पीएम मोदी ने भी वायुसेना दिवस की बधाई दी : पीएम नरेंद्र मोदी ने लिखा- वायुसेना के सभी वॉरियर्स और उनके परिवारों को एयरफोर्स डे की बहुत बधाई। भारतीय वायुसेना अपनी बहादुरी, अनुशासन और सटीकता के लिए जानी जाती है। वायुसेना आसमान में सुरक्षा में अहम भूमिका अदा करती है। प्राकृतिक आपदाओं में भी उनका अहम रोल होता है। उनकी प्रतिबद्धता, पेशेवर अंदाज और अदम्य साहस पर भारतीयों को गर्व है।

मुझे गर्व हैं कि मैं आज ऐसी वायुसेना का हिस्सा हूं : एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा- मुझे गर्व हैं कि मैं आज ऐसी वायुसेना का हिस्सा हूं। जो टेक्नोलॉजी और क्षमता में संसार की अग्रिम वायुसेनाओं में से एक है। एक ऐसी वायुसेना जिसने देश के हर सकंट में आगे बढ़कर चुनौतियों का सामना किया। एक ऐसी वायुसेना जिसका हर एक वायु योद्धा देश के एक इशारे पर जान देने के लिए तैयार है। हमारे वायु वीरों ने हर युग में इतिहास रचा है-1947 में कश्मीर की रक्षा।

नितिन गडकरी ने देश के पहले इलेक्ट्रिक ट्रक बैटरी स्वैपिंग स्टेशन का उद्घाटन किया

अब किसान होंगे ईंधन दाता,डीजल से मिलेगी मुक्ति:गडकरी

गन्नौर,08 अक्टूबर 2025 (ए)। गन्नौर के गांव पांची गुजरान स्थित दिल्ली इंटरनेशनल कार्गो टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड (डीआईसीटी) में बुधवार को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भारत के पहले वाणिज्यिक इलेक्ट्रिक ट्रक बैटरी स्वैपिंग एवं चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उनके साथ केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एचडी कुमार स्वामी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में गडकरी ने कहा कि आज भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, लेकिन लाजिस्टिक कास्ट अब भी चीन से दोगुनी है। सरकार इस स्थिति को बदलने के लिए वैकल्पिक ईंधन पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि अब किसान सिर्फ अन्नदाता नहीं, बल्कि ईंधन दाताभी बनेगा। पराली से बायोफ्यूल बनने लगा है और महाराष्ट्र व मध्य प्रदेश की सड़कों पर इसका उपयोग हो रहा है। देश में 50 लाख टन पराली का उपयोग बायोइथेनाल बनाने में किया जा रहा है।

पराली का उपयोग ईंधन उत्पादन में करें

उन्होंने बताया कि वह स्वयं इथेनाल से चलने वाली गाड़ी में यहां पहुंचे हैं,जिससे प्रदूषण में भी कमी आई है। गडकरी ने कहा कि अब कृषि यंत्रों और वाहनों के लिए फ्लेक्सी इंजन तैयार किए जा रहे हैं और बैटरी की कीमतों में 50 से 60 प्रतिशत तक कमी आई है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे पराली जलाने की बजाय उसका उपयोग ईंधन उत्पादन में करें, ताकि पर्यावरण भी बचे और किसानों की आमदनी बढ़े। उन्होंने बताया कि ईवी वाहनों से अब ट्रांसपोर्टेशन रेलवे से भी सस्ता होगा, जिससे लाजिस्टिक कास्ट में 6 प्रतिशत की कमी आएगी। देश में सड़कों की गुणवत्ता में बड़ा सुधार हुआ है और अब ट्रांसपोर्ट के रेट सिंगल डिजिट में आने की संभावना है।

देश में बाघों की संख्या में 30 फीसदी का इजाफा:भूपेन्द्र यादव

नई दिल्ली,08 अक्टूबर 2025 (ए)। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने बाघों के संरक्षण में भारत की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले दशक में बाघों की संख्या में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और देश में 84,000 वर्ग किलोमीटर में फैले 58 बाघ अभयारण्य हो चुके हैं। भूपेंद्र यादव बुधवार को यहां पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस, आर्ट्स मास्त्रो और उत्तर प्रदेश ईको-टूरिज़्म डेवलपमेंट बोर्ड के सहयोग से 2025 ग्लोबल बिग कैट फोटोग्राफी प्रतियोगिता के विजेताओं के पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। यादव ने कहा कि भारत की स्वतंत्रता के 100वें वर्ष तक बाघों की हर संभावित भूमि को सुरक्षित करने के लिए काम कर रहे हैं।

संपादकीय

बिहार में चुनावी बहार

आखिरकार,चुनाव आयोग द्वारा बिहार विधानसभा के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। दो दशक में पहली बार इतनी कम अवधि तथा दो चरणों में मतदान छह व ग्यारह नवंबर को होगा और मतगणना चौदह नवंबर को होगी। विवादों के केंद्र में रही चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर पर विपक्ष की राजनीति राजग गठबंधन को चुनौती देगी। एक घटक, जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। जो पलायन व भ्रष्टाचार के मुद्दे को पार्टी का लक्ष्य बता रहे हैं। बहरहाल,लोकसभा चुनाव सात चरण में कराने के खट्टे अनुभवों से सबक लेकर चुनाव आयोग ने विपक्षी दलों की मांग पर विधानसभा चुनाव दो चरणों में समेटने का निर्णय लिया है। लेकिन यह तय है कि जिस तरह आनन-फानन में पर्याप्त तैयारियों की कमी के बीच एसआईआर को अंजाम दिया गया, उसको लेकर तमाम तरह के सवाल उभरते ही रहेंगे। यहां तक कि मामले में बार-बार शीर्ष अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ा। अभी आयोग को उन लोगों की शिकायत का सामना करना पड़ेगा,जो वोटर लिस्ट में अपना नाम नहीं देख पा रहे हैं। बहरहाल, एक बात तो तय है कि दो दशक से बिहार की राजनीति के केंद्र में बने हुए नीतीश कुमार को सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि राजग नेतृत्व को उम्मीद है कि हाल के दिनों में कराए गए विकास कार्य तथा लोकलुभावनी योजनाओं की बरसात से वोटों की फसल सींची जा सकेगी। ये आने वाला वक्त बताएगा कि बिहार का जनमानस नीतीश को फिर से गद्दी सौंपता है या फिर उत्साहित महागठबंधन को सत्ता में आने का मौका देता है। कांग्रेस व राजद का कई मतभेदों के बावजूद एकजुट रहना सुशासन बाबू के लिये मुश्किलें जरूर पैदा कर सकता है। इन चुनावों में मोदी-शाह की प्रतिष्ठा का भी मूल्यांकन होगा। नीतीश कुमार की प्रतिष्ठा भी इन चुनावों में दांव पर लगी है कि क्या वे दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले पाएंगे।

बहरहाल,इस बार सुशासन बाबू की प्रतिष्ठा भी दांव पर है,जब विपक्ष ने भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था के सवाल को बड़ा मसला बना दिया है। जिस मुद्दे पर नीतीश अब तक राजद सरकार को जंगल राज बताकर घेरते रहे हैं, वही अस्त्र अब महागठबंधन की ओर से चलाया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर विपक्ष एसआईआर विवादों के आलोक में मतदाताओं में असमंजस की बात कह रहा है। उसकी दलील है कि अब जब चुनाव में कुछ ही हफ्ते बाकी हैं विशेष गहन पुनरीक्षण अभी भी न्यायिक जांच के दायरे में है। दरअसल,शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग से अंतिम मतदाता सूची से बाहर किए गए 3.66 लाख मतदाताओं का विवरण उपलब्ध कराने को कहा है। दरअसल,24 जून को चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर अभियान शुरू करने के बाद मतदाताओं की संख्या में खासा फेरबदल होता रहा है। अभियान शुरू करते वक्त बिहार में मतदाताओं की संख्या 7.9 करोड़ थी,फिर एक अगस्त को जारी मसौदा सूची में यह संख्या घटकर 7.24 करोड़ रह गई। मृत्यु,प्रवास और दोहराव सहित विभिन्न आधारों पर 65 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए थे। अब अंतिम सूची में 7.42 करोड़ मतदाता हैं। मसौदा सूची में 21.53 लाख नाम जोड़े गए हैं और कुल 3.66 लाख नाम हटा दिए गए हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने राजनीतिक दलों और अन्य हितधारकों की दुविधा दूर करने के लिये चुनाव आयोग से कुछ सवालों का जवाब तुरंत देने को कहा है। निस्संदेह, न्यायालय के हस्तक्षेप के कारण, एसआईआर में कुछ हद तक पारदर्शिता देखी गई है। उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग को उन अवैध प्रवासियों की संख्या साझा करने की जरूरत है, जिनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए थे।

मीरा बाई,प्रेम और भक्ति की अमर ज्योति

डॉ. मुश्ताक अहमद शाह सहज

भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत में संतों और भक्त कवियों की परंपरा अद्वितीय स्थान रखती है,इनमें मीरा बाई का नाम प्रेम, भक्ति और साहस का अनूठा प्रतीक है,उनकी जयंती पर स्मरण करना केवल एक ऐतिहासिक या धार्मिक व्यक्तित्व को याद करना नहीं बल्कि उस आत्मिक शक्ति को नमन करना है जिसने भक्ति को मुक्ति का मार्ग बना दिया,पंद्रहवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में मेवाड़ के कुर्मिंद गाँव में जन्मी मीरा बाई बचपन से ही श्रीकृष्ण के अनुपम प्रेम में डूबी रहीं,राजघराने की बहू होकर भी उन्होंने सांसारिक बंधनों से मुक्त होकर स्वयं को साँवरे की दासी घोषित किया,उनकी भक्ति कोई परंपरागत नियमों का पालन मात्र नहीं थी बल्कि आत्मा की गहन पुकार थी जिसमें विरह की वेदना, मिलन की उत्कंठा और पूर्ण समर्पण का भाव एक साथ प्रवाहित होता था, उनके गीत और भजन सरल भाषा में प्रेम के उत्कर्ष का सजीव प्रमाण हैं, उन्होंने स्त्रियों के लिए समाज में अपनी स्वतंत्र आवाज स्थापित की और यह संदेश दिया कि ईश्वर तक पहुँचने का मार्ग प्रेम है न कि भय, मीरा बाई की देन साहित्यिक, सामाजिक और आध्यात्मिक तीनों स्तरों पर अमूल्य है,उन्होंने भक्तिकाल को सौंदर्यपूर्ण रचनाओं से समृद्ध किया, स्त्री की स्वतंत्रता को स्वर दिया और भक्ति को प्रेम का पर्याय बना दिया, आज जब समाज विभाजन और स्वार्थ में उलझा है तब मीरा का संदेश हमें याद दिलाता है कि प्रेम सबसे बड़ा धर्म है, वह भक्ति जो पंथ,जाति और लिंग से परे है,मीरा बाई का नाम लेना अपने भीतर उस अमर लौ को प्रवलित करना है जो हर हृदय में ईश्वर की अनुभूति करा सके, उनकी जयंती पर उन्हें याद करना वर्तमान के लिए मार्गदर्शन है, उन्होंने सिखाया कि ईश्वर भीतर है और जिसे यह अनुभव हो जाए वही सच्चा मुक्त होता है,इस दिन आइए हम उनके प्रेम, साहस और भक्ति के संदेश को अपने जीवन में उतारें और उस अमर ज्योति को अपने भीतर सदा जलाए रखें।

मायका

टीकेश्वर सिन्हा

अपने दरवाजे पर खड़ी श्वेता ने अपनी पड़ोसन अनामिका को देख लिया। हँसमुख मिजाज वाली अनामिका आज नई साड़ी पहनी हुई थी। नाक की लौंग और कान की बालियाँ बड़ी खूबसूरत लग रही थी। बार-बार अपनी साड़ी का पल्लू सँवारने में लगी थी। श्वेता ने पूछा- अन्नू भाभी ! क्या बात है ? कहीं जाने की तैयारी है क्या ? श्वेता की बातें सुन कर अनामिका हँसते हुए बोली- हाँ श्वेता, आज मायके जा रही हूँ। बहुत दिनों से मन कर रहा है। वाह भाभी ! अभी-अभी तो गयी थी क्या ? अक्सर जाती ही रहती हो। ऐसा मत बोलो भाभी। श्वेता बोली। मायके जाना अच्छा लगता है। तुम्हारी भी शादी होगी तब तुम्हें पता चलेगा श्वेता। अनामिका हँस ही रही थी। पर मुझे लगता है अन्नू भाभी, कि माँ के रहते मायका मायके जैसे लगता होगा। शायद आपके बाबूजी भी तो ...? श्वेता बोलते-बोलते रुक गयी। हाँ श्वेता, तुम सही कह रही हो। पर माँ-बाबू जी नहीं हैं तो क्या हुआ, माँ की भूमि तो है। मेरी मातृभूमि तो है। जननि जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी। अनामिका ने श्वेता को कुछ और बोलने का अवसर ही नहीं दिया।

समय के साथ बदल रहा है डाक विभाग

रमेश सर्राफ धमोरा

पूरी दुनिया में 9 अक्टूबर को विश्व डाक दिवस के रूप में मनाया जाता है। वर्ष 1874 में इसी दिन यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन का गठन करने के लिए स्विट्जरलैंड की राजधानी बर्न में 22 देशों ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किया था। 1969 में जापान के टाकियो शहर में आयोजित सम्मेलन में विश्व डाक दिवस के रूप में इसी दिन को चयन किये जाने की घोषणा की गयी थी। एक जुलाई 1876 को भारत यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन का सदस्य बनने वाला भारत पहला एशियाई देश था। जनसंख्या और अंतरराष्ट्रीय मेल ट्रैफिक के आधार पर भारत शुरू से ही प्रथम श्रेणी का सदस्य रहा है। भारत में डाकघर का इतिहास ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के समय से शुरू होता है जब रॉबर्ट क्लाइव ने 1766 में पहली डाक व्यवस्था स्थापित की। वॉरेन हेस्टिंग्स ने 1774 में कोलकाता में पहला डाकघर खोला और 1854 में लॉर्ड डलहौजी ने भारत में एक राष्ट्रीय डाक सेवा की शुरुआत की। आज भारतीय डाक दुनिया के सबसे बड़े डाक नेटवर्क में से एक है जो बैंकिंग, बीमा और अन्य सेवाओं के साथ आम आदमी का भरोसेमंद साथी है। 1 अक्टूबर 1854 में भारतीय डाक विभाग की स्थापना के साथ ही भारत में पहली बार डाक टिकट भी जारी किया गया था। विश्व डाक दिवस का मकसद देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में डाक क्षेत्र के योगदान के बारे में जागरुकता पैदा करना है। दुनिया भर में प्रत्येक वर्ष 150 से ज्यादा देशों में विविध तरीकों से विश्व डाक दिवस आयोजित किया जाता है। भारतीय डाक प्रणाली का जो उन्नत और परिष्कृत स्वरूप आज हमारे सामने है। वह लंबे सफर की देन है। अंग्रेजों ने डेढ़ सौ साल पहले अलग-अलग हिस्सों में अपने तरीके से चल रही डाक व्यवस्था को एक सूत्र में पिरोने की पहल की थी। उन्होने भारतीय डाक को एक नया रूप और रंग दिया पर अंग्रेजों की डाक प्रणाली उनके सामरिक और व्यापारिक हितों पर ही केंद्रित थी। हमारे देश में पहले डाक विभाग का इतना अधिक महत्व था कि फिल्मों तक में डाकिये पर कई मशहूर गाने फिल्माये गये हैं। मगर अब नजारा पूरी तरह से बदल चुका है। इंटरनेट के बढ़ते प्रभाव ने डाक विभाग के महत्व को बहुत कम कर दिया है। आज लोगों ने हाथों से चिट्ठियां लिखना छोड़ दिया है। अब ई-मेल,वाट्सएप व सोशल मीडिया,इंटरनेट के माध्यमों से मिनटो में लोगो में संदेशों का आदान प्रदान हो जाता है। आज डाक में लोगों की चिट्ठियां तो गिनती की ही आती है। मनीआर्डर भी बन्द से ही हो गये हैं। मगर डाक से अन्य सरकारी विभागों से सम्बन्धित कागजात, बैंको व अन्य संस्थानो के प्रपत्र काफी संख्या में आने से डाक विभाग का महत्व फिर से एक बार बढ़ गया है। डाक विभाग कई दशकों तक देश के अंदर ही नहीं बल्कि एक देश से दूसरे देश तक सूचना पहुंचाने का सर्वाधिक विश्वसनीय,सुगम और सस्ता साधन रहा है। लेकिन इस क्षेत्र में निजी कम्पनियों के बढ़ते दबदबे और फिर सूचना तकनीक के नये माध्यमों के प्रसार के कारण डाक विभाग की भूमिका लगातार कम होती गयी है। वैसे इसकी प्रासंगिकता पूरी दुनिया में आज भी बरकरार है। भारत में डाक विभाग के महत्व को मशहूर शायर निदा फाजली के शेर सीधा-साधा डाकिया जादू करे महान,एक ही थैले में भरे आंसू और मुस्कान से समझा जा सकता है। शायर निदा फाजली ने जब यह शेर लिखा था उस वक्त देश में संदेश पहुंचाने का डाक विभाग ही एकमात्र साधन था। डाकिये के थैले में से निकलने वाली चिट्ठी पढ़कर कोई खुश होता था तो कोई दुखी। कुछ वर्ष पूर्व तक डाक विभाग हमारे जनजीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता था। गांव में जब डाकिया आता था तो बच्चे-बूढ़े सभी उसके साथ डाक घर की तरफ इस उत्सुकता से चल पड़ते थे कि उनके भी किसी परिजन की चिट्ठी आयेगी। डाकिया जब नाम लेकर एक-एक चिट्ठी बांटना शुरू करता तो सभी लोग अपनी या अपने पड़ौसी की चिट्ठी ले लेते व उसके घर जाकर उस चिट्ठी को बड़े चाव से देते थे। उस वक्त शिक्षा का प्रसार ना होने से अक्सर महिलायें अनपढ़ होती थी। इसलिये चिट्ठी लाने वालो से ही चिट्ठियां पढ़वाती भी थी और लिखवाती भी थी। कई बार चिट्ठी पढने-लिखने वाले बच्चों को ईनाम स्वरूप कुछ पैसा या खाने को गुड़,पताशे भी मिल जाया करते थे। इसी लालच में बच्चे ज्यादा से ज्यादा घरों में चिट्ठियां पहुंचाने का प्रयास करते थे। उस वक्त गांवो में बैक शाखा भी नहीं होती थी। इस कारण बाहर कमाने गये लोग अपने घर पैसा भी डाक में मनीआर्डर के द्वारा ही भेजते थे। मनीआर्डर देने डाकिया स्वयं प्राप्तकर्ता के घर जाता था व भुगतान के वक्त एक गवाह के भी हस्ताक्षर करवाता था। डाक विभाग अति आवश्यक संदेश को तार के माध्यम से भेजता था। तार की दर अधिक होने से उसमें संक्षिप्त व जरूरी बाते ही लिखी जाती थी। तार भी साधारण जरूरी होते थे। जरूरी तार की दर सामान्य से दुगुनी होती थी। देश में पहली बार 11 फरवरी 1855 को शुरू हुई तार सेवा को सरकार ने 15 जुलाई 2013 से बन्द कर दिया है। इसके साथ ही डाक विभाग ने रजिस्टर्ड डाक सेवा को भी एक अक्टूबर 2025 से स्पीड पोस्ट में विलय कर दिया है। भारतीय डाक विभाग पिनकोड नम्बर (पोस्टल इंडेक्स नम्बर) के आधार पर देश में डाक वितरण का कार्य करता है। पिनकोड नम्बर का प्रारम्भ 15 अगस्त 1972 को किया गया था। इसके अन्तर्गत डाक विभाग द्वारा देश को नो भौगोलिक क्षेत्रो में बांटा गया है। संख्या 1 से 8 तक भौगोलिक क्षेत्र हैं व संख्या 9 सेना की डाक सेवा को आवंटित किया गया है। पिन कोड की पहली संख्या क्षेत्र दूसरी संख्या उपक्षेत्र, तीसरी संख्या जिले को दर्शाती है। अन्तिम तीन संख्या उस जिले के विशिष्ट डाकघर को दर्शाती है। डाक विभाग के अंतर्गत केंद्र सरकार ने इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक (आईपीपीबी) शुरू किया है। देश के हर व्यक्ति के पास बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाने के क्रम में यह एक बड़ा विकल्प होगा। इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक ने देश भर में बैंकिंग सेवाएं शुरू कर दी है। आने वाले दिनों में इस के माध्यम से देश का सबसे बड़ा बैंकिंग नेटवर्क अस्तित्व में आएगा। जिसकी हर गांव तक मौजूदगी होगी। इन सेवाओं के लिए पोस्ट विभाग के 11000 कर्मचारी घर-घर जाकर लोगों को बैंकिंग सेवाएं देंगे।

बदलते हुए तकनीकी दौर में दुनिया भर की डाक व्यवस्थाओं ने मौजूदा सेवाओं में सुधार करते हुए खुद को नयी तकनीकी सेवाओं के साथ जोड़ा है। डाक,पार्सल, पत्रों को गंतव्य तक पहुंचाने के लिए एक्सप्रेस सेवाएं शुरू की हैं। डाक घरों द्वारा मुहैया करायी जानेवाली वित्तीय सेवाओं को भी आधुनिक तकनीक से जोड़ा गया है। दुनियाभर में इस समय 55 से भी ज्यादा विभिन्न प्रकार की पोस्टल ई-सेवाएं उपलब्ध हैं। भविष्य में पोस्टल ई-सेवाओं की संख्या और अधिक बढ़ायी जायेगी। डाक विभाग से 82 फीसदी वैश्विक आबादी को होम डिलीवरी का फायदा मिलता है। भारत की आजादी के बाद हमारी डाक प्रणाली को आम आदमी की जरूरतों को केंद्र में रख कर विकसित करने का नया दौर शुरू हुआ था। नियोजित विकास प्रक्रिया ने ही भारतीय डाक को दुनिया की सबसे बड़ी और बेहतरीन डाक प्रणाली बनाया है। राष्ट्र निर्माण में भी डाक विभाग ने ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। जिससे इसकी उपयोगिता लगातार बनी हुई है। आज भी आम आदमी डाकघरों और डाकिये पर भरोसा करता है। तमाम उतार-चढ़ाव के बावजूद देश में आम जनता का इतना जन विश्वास कोई और संस्था नहीं अर्जित कर सकी है। यह स्थिति कुछ सालों में नहीं बनी है। इसके पीछे डाक विभाग के कार्मिको का बरसों का श्रम और लगातार प्रदान की जा रही सेवा छिपी है।

इंतजार से डबल टिक तक

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

बधाई हो मिसिर जी! कांग्रेचुलेशंस, मुबारक हो कि आप अब पूरी तरह से 'डिजिटल' हो गए हैं। एक ही झटके में आपके जीवन से डाकिये की साइकिल की घंटी,पीले पोस्टकार्ड का इंतज़ार और अंतर्देशीय पत्र की गोंद वाली महक, सब ग़ायब हो गए हैं। आप उस भीड़ से बच गए जो कभी खतों के इंतज़ार में दरवाज़े पर टकटकी लगाए रहती थी। क्या बेहतरीन क़िस्मत लिखाकर लाए हैं आप! अब आपको खत लिखने के लिए कलम उठाने,पते पर पिनकोड याद करने और लाल डिब्बे तक चलकर जाने की ज़हमत नहीं उठानी पड़ेगी। निज़ाम ने आपके जीवन को इतना सरल बना दिया है,इतनी असुविधाओं से आपको मुक्त कर दिया है कि अब आप एक क्लिक में अपनी हर भावना व्यक्त कर सकते हैं, बशर्ते आपके पास 4जी कनेक्शन और एक अच्छा डेटा-पैक हो। अब विश्व डाक दिवस जैसे दिन आएँगे और चले जाएँगे, पर आप पर कोई असर नहीं होगा। आप उन पुरानी यादों में कुचले जाने से बच गए हैं,जो अब सिर्फ़ किताबों और बूढ़े लोगों की यादों में ही मिलेगा। यकीनन कोई दैवीय 'प्रगतिशील' शक्ति ही है जो सिस्टम की मर्ज़ी के अनुसार आपको बार-बार पुरानी, बोझिल चीज़ों से आज़ाद करा रही है। उस रोज़ जब आपने अपनी बेटी को राखी के साथ एक चिट्ठी भेजने की सोची थी,तब भी बच गए आप। अमेज़ॅन के ड्रोन ने राखी पहुँचा दी और गूगल-पे से शगुन चला गया। चिट्ठी का क्या करते? आपके शरीर में यादों की प्रतिरोधक क्षमता है, मगर इस 'डिजिटल प्रोग्रेस' के आगे प्रतिरोध का साहस नहीं है। आप तब भी बच गए जब अपने पुराने दोस्त से माफ़ी माँगने के लिए एक लंबा खत लिखने बैठे थे। आपकी पोती ने एक 'सॉरी' वाला जिफ भेजकर मामला मिनटों में रफ़ा-दफ़ा कर दिया। सोचिए, आपका कितना समय और कितनी भावनाएँ बच गईं! और तब तो चमत्कार ही हो गया जब आप अपनी पहली प्रेम-कहानी को याद कर रहे थे,वो काग़ज़ पर लिखे शब्द,वो स्याही के धब्बे,वो सूखकर रखे गए गुलाब की पत्तियाँ। आपके फ़ोन ने आपको नोटिफ़िकेशन भेजा-'मेमोरीज़ फ़्रॉम 10 इयर्स एगो', जिसमें आपकी और आपकी पत्नी की एक सेल्फ़ी थी। कितना आसान हो गया है यादों को सँजोना,नहीं? प्रशासन ने तो आपकी तरफ़ से कोई कसर नहीं छोड़ी है आपको आधुनिक बनाने में।

उधर 'मिनिस्ट्री ऑफ़ नॉस्टैल्जिया' (स्मृति मंत्रालय) में क़यामत का माहौल है। वहाँ के मंत्री, श्री यादकुमार जी,अपने सिर पर बर्फ़ की थैली रखे हुए हैं और उनके अंडर-सेक्रेटरी, मिस्टर एहसास, बार-बार कॉफ़ी पीकर खुद को जगाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। यादकुमार जी चीखे, व्हाट द हेल इज़ दिस, एहसास? हमारे इमोशनल-सर्वर क्रैश क्यों हो रहे हैं? ये अनएक्सप्रेस्ड-लव का डेटा-ट्रैफ़िक अचानक इतना कैसे बढ़ गया? मिस्टर एहसास ने अपनी काँपती हुई आवाज़ में रिपोर्ट पेश की, सर, इट इज़ अ टोटल मैस! आर्यावर्त में जब से पोस्टकार्ड, इनलैंड लेटर और लाल डिब्बे हटाए गए हैं, तब से जो भी भावनाएँ उन खतों के ज़रिए ट्रैवल करती थीं,वो सब ऑर्फ़न-डेटा बनकर हमारे सर्वर पर हिट कर रही हैं। सर,लाखों अनकही शुभकामनाओं के पैकेट,हज़ारों अधूरी माफ़ियों की फ़ाइलें और करोड़ों बेनाम प्रेम-पत्रों का डेटा-फ्लड आ गया है। आवर सिस्टम इज़ नॉट डिज़ाइन्ड टु हैंडल सो मच अनसेंट-इमोशन! यादकुमार जी और बौखला गए,सो व्हाट आर वी सप्पोज़्ड टु डू इन भावनाओं का क्या करें? इन्हें डिलीट कर दें? ये तो राष्ट्रीय धरोहर हैं! ये मिनिस्ट्री ऑफ़ प्रोग्रेस वाले हमें इन्फ़ॉर्म भी नहीं करते! एक झटके में पूरा इमोशनल-इकोसिस्टम ही बदल दिया! सॉरी सर,एहसास ने कहा, प्रोग्रेस इज़ लाइक दैट ओनली। इट डज़ नॉट वेट फ़ॉर इमोशन्स। मैंने उन्हें कॉल किया था। दे सेड, इट्स ओल्ड टेक्नोलॉजी। लेट पीपल यूज़ व्हाट्सएप। इस पूरी अफ़रा-तफ़री के बीच, मिसिर जी अपनी बालकनी में गुमसुम बैठे हैं, भविष्य के उन दृश्यों की कल्पना कर रहे हैं जो अब हक़ीक़त बन चुके हैं। वो देख पा रहे हैं कि प्रेमी-प्रेमिका अब गुलाब की पंखुड़ियों वाले खत नहीं,बल्कि हार्ट-इमोजी भेज रहे हैं। वो देख रहे हैं कि इतिहासकार भविष्य में जब इस दौर का अध्ययन करेंगे,तो उन्हें हाथ से लिखे दस्तावेज़ नहीं,बल्कि डिलीट हो चुकी चैट-हिस्ट्री और क्रैश हुई हार्ड-डिस्क के सिवा कुछ नहीं मिलेगा। वो देख रहे हैं कि नई पीढ़ी के लिए डाकिया महज़ एक शब्द है,जिसका मतलब उन्हें गूगल पर खोजना पड़ता है। उनसे कहा जा रहा है कि अंकल,अब ज़माना बदल गया है,अडैप्ट कीजिए। वो देख रहे हैं कि भावनाओं की गहराई अब कैरेक्टर-लिमिट में सिमट गई है। अभी तक तो उन्हें अपनी यादों पर, अपने लिखे शब्दों पर नाज़ था, मगर अब तो उनकी पूरी पहचान ही एक आउटडेटेड फ़ाइल बनती जा रही है। इतने बुरे दिन पहले कभी नहीं आए थे। वे भविष्य के ऐसे दृश्यों की कल्पना मात्र से पसीना-पसीना हो गए हैं, और सजगता में लौट आए हैं। उन्होंने अपनी पोती,स्वीटी,को बुलाया। स्वीटी बेटा,ये क्या हो रहा है? ये लाल डिब्बे क्यों हट गए? अब मैं अपने फौजी दोस्त को चिट्ठी कैसे भेजूँगा? स्वीटी ने अपने फ़ोन से नज़र हटाए बिना कहा, दादू, चिल! उनका व्हाट्सएप नंबर नहीं है क्या?

वीडियो कॉल कर लो। इट्स सो सिंपल। सिंपल नहीं है बेटा, मिसिर जी ने गहरी साँस ली, कुछ बातें वीडियो कॉल पर नहीं कही जा सकतीं। कुछ भावनाओं को काग़ज़ और स्याही चाहिए होती है। कुछ इंतज़ार में जो मज़ा है, वो डबल-टिक में कहाँ? ओह दादू, यू आर सो ओल्ड-स्कूल! अब कोई लेटर नहीं लिखता। आपको आगे बढ़ना होगा। मैं आपको सिखाती हूँ कि स्टिकर कैसे भेजते हैं। देखिए, ये वाला स्टिकर है मिस-यू का, और ये वाला लव-यू का। काम ख़त्म! मिसिर जी ने उस स्टिकर को देखा और फिर अपने खाली हाथों को। उन्हें लगा जैसे किसी ने उनकी जुबान ही छीन ली हो। ये स्वीटी, जो कल तक उनसे कहानी सुनने के लिए ज़िद करती थी, आज उन्हें भावनाओं का शॉर्टकट सिखा रही है। उस रात मिसिर जी को नींद नहीं आई। उन्होंने अपनी पुरानी संदूक खोली।

राजेन्द्र लाहिरी
पामगढ़, छ.ग.

व्यवस्था पर क्या ध्यान नहीं है?

राजा राजा कहकर किसी को
इतना भी न चढ़ाओ कि
वह अपनी मर्यादा भूल जाए,
तुम्हें अपनी प्रजा समझकर
कर्तव्य भूल सताए,
गए दौर राजे रजवाड़े के,
अब आज का दौर संविधान का है,
प्रजातांत्रिक विधान का है,
जिन्हें राजा कह रहे हो
वो अब तुम्हारा सेवक है,
जिनका काम संवैधानिक दायरे में रह
अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना है,
न कि खुद को मालिक समझ
किसी का भी गर्दन पकड़ना है,
किसको क्या करना है
नियम सबका बना हुआ है,
मगर बहुत भी ऐसे हैं जो
पद पाकर के तना हुआ है,
राजा किसी को कहना ही है तो
वो है देश की सारी जनता,
लेकिन वे बांधे हाथ खड़े हैं
लेकर के अपनी निर्धनता,
विधानों से परे जाकर के
करना कोई काम नहीं है,
वरना जनता यही कहेगी
व्यवस्था पर क्या ध्यान नहीं है।

उम्र की ढलती सांझ में...

विजय गर्ग

भारतीय संस्कृति में बुजुगों को अनुभवों का खजाना माना जाता रहा है, मगर चिंताजनक है कि बुजुर्ग अब परिजनों और समाज की उपेक्षा, दुर्व्यवहार सहित कई तरह की समस्याएं झेलने को विवश हैं। भारतीय समाज में सदा सयुंक्त परिवार को अहमियत दी जाती रही है, जहां बुजुगों का स्थान सर्वोपरि रहा है,मगर अब एकल परिवारों के बढ़ते चलन के कारण बुजुर्गों की उपेक्षा बढ़ रही है। दरअसल, समाज में अपनी हैसियत बड़ी दिखाने की चाहत में कुछ लोगों को अपने ही परिवार के बुजुर्ग मार्ग की बड़ी रुकावट लगने लगते हैं। ऐसे लोगों को सामाजिक तौर पर अपनी खुशियों में बुजुगों को शामिल करना शान के खिलाफ लगता है। ऐसी ही रूढ़िवादी सोच के कारण उच्च वर्ग से लेकर मध्यवर्ग तक में अब वृद्धजनों के प्रति स्नेह की भावना कम हो रही है। एक गैर-सरकारी संस्था की रपट के अनुसार भारत में 47 फीसद आर्थिक रूप से अपने परिवारों पर निर्भर हैं, 34 फीसद पेंशन और नकद हस्तांतरण पर निर्भर हैं, जबकि सर्वेक्षण में 40 फीसद लोगों ने यथासंभव काम करने की इच्छा व्यक्त की। सर्वेक्षण में यह बात भी सामने आई कि 71 फीसद वरिष्ठ नागरिक काम नहीं कर रहे थे, जबकि 36 फीसद काम करने को तैयार थे। यही नहीं,30 फीसद से ज्यादा बुजुर्ग तो विभिन्न सामाजिक कार्यों के लिए स्वेच्छा से अपना समय देने को तैयार थे, जिससे स्पष्ट है कि अगर पुरानी पीढ़ी की ऊर्जा को पर्याप्त अवसर मिले तो भारत की आर्थिक और सामाजिक तस्वीर उवल हो सकती है। एक गैर-सरकारी संगठन की रपट के अनुसार 2022 तक दुनिया में वरिष्ठ नागरिकों की आबादी 110 करोड़ और कुल आबादी की लगभग 14 प्रतिशत थी। 2050 तक यह आबादी बढ़कर 210 करोड़ और कुल आबादी की लगभग 22 प्रतिशत होने की संभावना है। एशिया में बुजुर्ग आबादी 2050 तक 130 करोड़ हो जाएगी। भारत में वरिष्ठ नागरिकों की आबादी अभी करीब 14.9 करोड़ है और एक रपट के मुताबिक 2026 तक यह 17 करोड़, 2036 तक 23 करोड़ तथा 2050 तक 35 करोड़ यानी कुल आबादी की 20 फीसद से भी ज्यादा होने का अनुमान है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुमान के मुताबिक 2036 तक दक्षिण भारत के राज्यों में हर पांचवां व्यक्ति वरिष्ठ नागरिक की श्रेणी में होगा। बुजुर्ग आबादी में यह बढ़ोतरी निश्चित रूप से समाज और अर्थव्यवस्था पर प्रभाव डालेगी। ऐसे में वर्तमान और भविष्य की पीढ़ी की उचित देखभाल के लिए उचित प्राथमिकताएं निर्धारित करना सरकार की जिम्मेदारी है। हेल्प एज इंडिया की नवीनतम रपट वीमेन एंड एजिंग इनविजिबल आर एंपावर्ड ? में मई से जून 2023 के दौरान 60-90 वर्ष की आयु वर्ग की 7911 महिलाओं को इस सर्वेक्षण में शामिल किया गया। संगठन ने विभिन्न सामाजिक- आर्थिक श्रेणियों को शामिल करते हुए बीस राज्यों, दो केंद्रशासित प्रदेशों और पांच महानगरों में ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के प्रतिभागियों के बीच यह सर्वेक्षण किया और रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि सोलह प्रतिशत वृद्ध महिलाओं को दुव्यवहार का सामना करना पड़ा, जिनमें से करीब पचास फीसद महिलाओं को शारीरिक हिंसा और छियालीस फीसद बुजुर्ग महिलाओं को अपमान झेलना पड़ा। चालीस फीसद प्रतिभागियों को भावनात्मक या मनोवैज्ञानिक शोषण का सामना करना पड़ा। सर्वेक्षण में शामिल कुल चालीस फीसद महिलाओं ने अपने बेटों को दोषी ठहराया, जबकि इकतीस फीसद ने अपने रिश्तेदारों और सताईस फीसद ने अपनी बहुओं को जिम्मेदार बताया। रपट में यह खुलासा भी हुआ कि दुर्व्यवहार के बावजूद अधिकांश बुजुर्ग महिलाओं ने डर के कारण पुलिस को इसकी सूचना नहीं दी। एक बेहतर भविष्य के लिए हम अपनी अगली पीढ़ी को निधि समझते हुए उसकी बेहतर परवरिश में कोई कमी नहीं छोड़ते। मगर तमाम जिम्मेदारियां निभाते निभाते जब उम्र ढलने लगती और व्यक्ति शारीरिक तथा वित्तीय स्तर पर कमजोर होने लगता है, तो कई बार वह परिवार और समाज की उपेक्षा का शिकार होने लगता है। भले बड़े गर्व के साथ यह कहा जाता है कि भारत की सत्तर फीसद आबादी नौजवानों की है, जो देश के लिए एक बड़ी पूंजी है, लेकिन यहां चिंता का विषय यह भी है कि क्या यह आबादी हमेशा युवा बनी रहेगी ? उम्र बढ़ना जीवन की नियति है, जिससे हर किसी को गुजरना पड़ता है। विभिन्न शोधों के अनुसार साठ वर्ष तथा उससे ज्यादा उम्र में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, फेफड़ों की बीमारी, हृदय रोग आदि कई तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। बढ़ती उम्र और घटती प्रतिरोधक क्षमता बीमारियों का एक प्रमुख कारक है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की बुजुर्गों की स्वास्थ्य समस्याएं नामक एक रपट में बताया गया है कि 25 फीसद भारतीय बुजुर्ग अवसाद में जी रहे हैं, 33 फीसद गठिया या हड्डी के रोग से ग्रस्त हैं, 40 फीसद को रक्ताल्पता है, गांवों में 10 और शहरों में 40 फीसद को मधुमेह है,10 फीसद कम सुनने संबंधी समस्या से गुजर रहे हैं। गांवों में 33 फीसद तो शहरों में 50 फीसद को हाइपरटेंशन है, करीब 50 फीसद की नजर कमजोर है,10 फीसद भारतीय बुजुर्ग कहीं न कहीं गिरकर अपनी कोई न कोई हड़ी तुड़वा बैठते हैं,तो 33 फीसद पाचन तंत्र के विकार से जूझ रहे हैं। पीढ़ी अंतराल और जीवन-शैली में बदलाव के कारण बुजुर्ग व्यक्ति खुद अलगाव और असुरक्षा महसूस कर रहे हैं। आर्थिक साम्राज्यवाद, भूमंडलीकरण, उदारीकरण और बढ़ते उद्योगीकरण ने भी आज बुजुगों को हाशिये पर धकेलने का काम किया है टूटते संयुक्त परिवारों के कारण घर के बड़े बुजुर्ग एकाकी जीवन जीने पर मजबूर हो गए हैं। जिस घर में बुजुगों का सम्मान होता है, वह घर स्वर्ग से भी सुंदर माना जाता है। इसके बावजूद बहुत से परिवारों में बुजुगों को निरंतर अपने ही परिजनों की उपेक्षा का शिकार होना पड़ता है ऐसे परिजनों को इस बात का आभास कराया जाना बेहद जरूरी है कि आज के युवा भी आने वाले समय में वृद्ध होंगे।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

सरगुजा में 65 लाख का राशन घोटाला उजागर,सहकारी समिति के 6 पदाधिकारी व कर्मचारी पर अपराध दर्ज

-संवाददाता-
अंबिकापुर,08 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले में एक बार फिर गरीबों के हक पर डाका डालने का शर्मनाक मामला सामने आया है। शासकीय उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से गरीबों को वितरित किए जाने वाले राशन को ब्लैक मार्केट में बेचकर लगभग 65 लाख रुपये का गबन किया गया है। यह घोटाला जनकल्याण खाद्य सुरक्षा पोषण एवं उपभोक्ता सेवा सहकारी समिति, घुटरापारा से जुड़ा हुआ है,जहां नियमों को ताक पर रखकर तीन दुकानों का संचालन किया जा रहा था। भाजपा नेता आलोक दुबे की शिकायत पर कलेक्टर ने तत्काल मामले की जांच के आदेश दिए थे। जांच में सामने आया कि सितंबर 2022 से 31 मार्च 2024 के बीच समिति द्वारा संचालित दुकान क्रमांक 71,29 एवं 54 से शासकीय राशन का बड़े पैमाने पर गबन किया गया। खाद्य अधिकारी शिव कुमार मिश्र ने कोतवाली में दर्ज रिपोर्ट में बताया है कि जनकल्याण खाद्य सुरक्षा पोषण एवं उपभोक्ता सेवा सहकारी समिति, घुटरापारा के माध्यम से संचालित

शासकीय उचित मूल्य दुकान क्रमांक 71, 29 एवं 54 का संयुक्त रूप से जांच किया गया। जांच में सितम्बर 2022 एवं 31 मार्च 2024 की स्थिति में किए गए भौतिक सत्यापन के दौरान सभी दुकानों में चावल 1631.29 क्विंटल राशि 61 लाख 62 हजार 267 रूपये, शक्कर 10.43 क्विंटल राशि 49 हजार 160 रूपये एवं चना 48.34 क्विंटल राशि 2 लाख 92 हजार 692 रूपये कुल राशि 64 लाख 94 हजार 120 रूपए की गड़बड़ी पाई गई। मामले में समिति के अध्यक्ष पवन सिंह पिता दीपनारायण निवासी घुटरापारा,अम्बिकापुर,उपाध्यक्ष सुनिता पैकरा पति गणेश, घुटरापारा अम्बिकापुर, सहायक विक्रेता फरहान सिद्दीकी पिता अब्दुल राज निवासी सदर रोड अम्बिकापुर,प्रिंस जायसवाल पिता अरूण जायसवाल निवासी बौरीपारा,अंबिकापुर,सैफ अली पिता अवाद अली निवासी घुटराधारा अम्बिकापुर व सहायक विक्रेता मुकेश यादव पिता पुरेन्दर यादव निवासी-घुटरापाना अम्बिकापुर दोषी पाए गए। खाद्य अधिकारी ने इन सभी के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 420 व अवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3 व 7 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। यह मामला कांग्रेस शासन काल से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। नियम के अनुसार एक समिति को अधिकतम 2 दुकानें दिए जाने का नियम है। लेकिन नियमों का उल्लंघन कर जनकल्याण खाद्य सुरक्षा पोषण एवं उपभोक्ता सेवा सहकारी समिति घुटरापारा द्वारा तीन दुकानें संचालित की जा रही थी। जिसका अध्यक्ष पवन सिंह व उपाध्यक्ष सुनिता पैकरा हैं। भाजपा नेता आलोक दुबे ने शासकीय राशन में गड़बड़ी की शिकायत कलेक्टर से की थी। कलेक्टर ने जांच के निर्देश खाद्य अधिकारी को दिए थे। जिसमें जनकल्याण खाद्य सुरक्षा पोषण एवं उपभोक्ता सेवा सहकारी समिति, घुटरापारा के दुकान क्रमांक 71, 29 व 54 गड़बड़ी पाई गई। जांच के बाद खाद्य अधिकारी ने रिपोर्ट कलेक्टर को सौंपा था। कलेक्टर के निर्देश पर खाद्य अधिकारी ने दोषियों के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

वनस्पति और जीव जंतुओं से ही पृथ्वी का नाम जीव जगत के रूप में हुआ विख्यात

-संवाददाता-
अंबिकापुर,08 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

पीजी कॉलेज में प्राणी शास्त्र एवं वनस्पति विभाग द्वारा दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ बुधवार को किया गया। महाविद्यालय स्वशासी योजना अंतर्गत रिसर्च अनुदान एवं छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के संयुक्त तत्वधान में आयोजित कॉन्फ्रेंस रीसेंट एडवांस इन बायोलॉजिकल साइंसेज 2025 विषय पर की जा रही है। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर एमएल नायक प्रसिद्ध जीव विज्ञानी एवं सेवानिवृत्ति विभागाध्यक्ष पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ अरविंद गिरोलकर,सेवानिवृत प्राचार्य गवर्नमेंट डीवी गर्ल्स पीजी कॉलेज रायपुर व बीज वक्ता के रूप में प्रोफेसर एलबीकेएस भास्कर,गुरु घासीदास सेंट्रल विश्वविद्यालय बिलासपुर उपस्थित रहे। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता प्रो. अनिल कुमार सिन्हा, प्रभारी प्राचार्य एवं समन्वयक आइक्यूएसी ने की।

कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन प्रोफेसर अनिल कुमार सिन्हा ने दिया और विषय प्रवेश सम्मेलन की संयोजक डॉ कविता कृष्णमूर्ति ने किया। प्रोफेसर एमएल नायक ने कहा कि वनस्पति और जीव जंतुओं से ही पृथ्वी का नाम जीव जगत के रूप में विख्यात हुआ। नवीन रिसर्च से न केवल पर्यावरण अपितु वर्तमान सभ्यता के विकास के लिए भी जीवविज्ञानियों का महत्वपूर्ण रोल है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रो. अनिल सिन्हा ने कहा कि मानव सभ्यता जिन खतरों को आज महसूस कर रही है उससे निजात दिलाने में वनस्पति विज्ञान एवं प्राणी शास्त्र दोनों के आधुनिक शोध की भूमिका महत्वपूर्ण है। धरती को बचाने एवं पर्यावरणीय संकट की वास्तविक पहचान करने की जिम्मेदारी जीव विज्ञानियों और उनके रिसर्च का है। उद्घाटन सत्र में धन्यवाद ज्ञापन कांफ्रेंस की संयोजक डॉ. मोहिनी भारद्वाज ने किया जबकि कार्यक्रम का संचालन रश्मित कौर एवं डॉ हर्षदीप धंजल ने किया।

इस कार्यक्रम के प्रथम तकनीकी सत्र में डॉ. अरविंद गिरोलकर की अध्यक्षता में प्रो. आरती परगनिहा,विभागाध्यक्ष,लाइव साइंस,पंडित रविशंकर विश्वविद्यालय रायपुर एवं डॉ विजय प्रमाणिक, इंदिरा गांधी केंद्रीय जनजाति विश्वविद्यालय अमरकंटक ने सेमिनार में संबंधित विषय पर अपना व्याख्यान दिया। इस सत्र का संचालन डॉ अरुणिमा दत्ता ने किया जबकि द्वितीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रोफेसर एचडी महार विभागाध्यक्ष वनस्पति शास्त्र राजीव गांधी शास स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर ने की जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ अरविंद गिरोलकर ने अपनी प्रस्तुति दी साथ ही डॉ कौशल त्रिपाठी ने भी अपने विचार साझा किये। इस संपूर्ण कार्यक्रम के आयोजन में वनस्पति विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर एच.डी. महार व प्राणीशास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ जेरमिना तिर्की के साथ-साथ आयोजन समिति के सदस्य डॉक्टर दीपिका टोप्पो, गिरिजा सिंह,अनुजा कुजूर,डॉ आशीष मिश्रा,डॉ शिवानी गुप्ता के साथ-साथ महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापकों के साथ-साथ बड़ी संख्या में महाविद्यालय के प्राध्यापक अन्य महाविद्यालयों के प्राध्यापक, रिसर्च स्कॉलर, स्नातक एवं स्नातकोत्तर के छात्र उपस्थित रहे।

अपराध समीक्षा बैठक में थाना प्रभारियों को दिया गया सख्त निर्देश

-संवाददाता-
अंबिकापुर,08 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा एसपी राजेश कुमार अग्रवाल ने बुधवार को पुलिस कोऑर्डिनेशन सेंटर सभाकक्ष में अपराध समीक्षा बैठक ली। बैठक में सभी थाना/चौकी प्रभारियों से लंबित अपराध,चालान,शिकायत, मर्ग,म्यूल एकाउंट एवं आईटी से जुड़े मामलों की प्रगति रिपोर्ट लेकर समीक्षा की गई। विवेचकों को अनावश्यक प्रकरण लंबित न रखने की सख्त हिदायत दी गई तथा आरोपियों को शीघ्र नोटिस तामील कर कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। सभी थाना प्रभारियों को अधिक से अधिक ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही एनएएफआईएस में गिरफ्तारी की एंट्री बढ़ाने व निगरानी,गुंडा,आदतन अपराधियों के फिंगरप्रिंट रिकॉर्ड सिस्टम में अपडेट करने के लिए कहा गया। सभी ऑनलाइन पोर्टल्स को प्रतिदिन अपडेट करने और स्वयं उसका उपयोग करने के निर्देश भी दिए गए। धनतेरस और दीपावली को देखते हुए शहर में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखने, प्रमुख चौक-चौराहों एवं मार्गों पर पुलिस टीम की मौजूदगी सुनिश्चित करने,नाकेबंदी प्रभावी रूप से करने तथा फटाका लाइसेंस जांच प्रतिवेदन समय पर भेजने के निर्देश दिए गए। वीसीएनबी में बेहतर कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को पुरस्कृत किया गया। बैठक में एएसपी अमोलक सिंह ढिल्लों, सीएसपी राहुल बंसल सहित अन्य अधिकारी व थाना प्रभारी उपस्थित रहे।

परिजन से बिछड़े दो नाबालिग बालक पुलिस ने परिजन से मिलवाए

-संवाददाता-
अंबिकापुर,08 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

थाना गांधीनगर अंतर्गत बनारस रोड स्थित अग्रवाल इंडस्ट्रीज के पास दो अबोध नाबालिगों को बिना परिजनों के अकेले घूमते देख नवापारा निवासी आयुष पटेल ने सूझबूझ दिखाते हुए पुलिस टीम और स्थानीय लोगों को सूचना दी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए बच्चों को रेस्क्यू कर थाना लाया। पुलिस द्वारा बच्चों से पूछताछ के साथ-साथ विभिन्न व्हाट्सऐप ग्रुप के माध्यम से जानकारी साझा की गई। पुलिस टीम के प्रयासों से महज एक घंटे में परिजनों की पहचान कर ली गई। बच्चों को सकुशल पाकर परिजन भावुक हो उठे और सरगुजा पुलिस व नागरिक आयुष पटेल का आभार जताया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी प्रदीप जायसवाल, महिला आरक्षक प्रिया रानी एवं तेजश्वरी राजवाड़े की सराहनीय भूमिका रही।

पुरानी रंजिश पर युवक के साथ मारपीट

-संवाददाता-
अंबिकापुर,08 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

पुरानी रंजिश को लेकर चार युवकों ने घर में घुसकर मां-बेटे की पिटाई कर दी। मारपीट में युवक को सिर सहित शरीर के अन्य हिस्से में चोटें आई है,उसका उपचार मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा है। घटना की जानकारी कोतवाली पुलिस को दी गई है, लेकिन आरोपियों के विरूद्ध किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं होने से इनके द्वारा पुनः धमकी देकर परिवार को दहशत में डालने का प्रयास किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार कोतवाली थाना क्षेत्र के चांदनी चैक,कुम्हारपारा का आकाश कुमार साव पिता संतोष साव 25 वर्ष,इलेक्ट्रिशियन का काम करता है। छह अक्टूबर को सुबह करीब 9 बजे,बिजली का काम करके कलेक्टर बंगला की ओर से वापस घर आ रहा था। रास्ते में गौतम और प्रकाश ने उसे रोकने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं रूका और घर आ गया था। इसके बाद अजय गुप्ता,गौतम,प्रकाश,अंकित,संजय और गोविंद उसके घर के पास पहुंचे और आकाश को घर से खींचकर बाहर निकालने के बाद हाथ-मुक्का,कड़ा,डंडा से मारपीट करने लगे। पुत्र के साथ मारपीट होते देखकर उसकी मां मंजू देवी बाहर निकली और बीच-बचाव करने का प्रयास की,तो उनके साथ मारपीट पर उतारू हो गए। मारपीट में आकाश को सिर में आई चोटों के कारण इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रिपोर्ट पर पुलिस ने केस दर्ज किया है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर खानापूर्ति होने से पीड़ित और उसके परिवार के सदस्य दहशत में हैं।

आदिवासी किसानों को स्टाम्प शुल्क छूट से वंचित,शासन से पुनः सुविधा बहाली की मांग

-संवाददाता-
अंबिकापुर,08 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के आदिवासी कृषकों को अब अपने जीवनकाल में वैध वारिसों के नाम कृषि भूमि हस्तांतरण करते समय स्टाम्प शुल्क में दी जा रही छूट का लाभ नहीं मिल पा रहा है। यह छूट छत्तीसगढ़ शासन की अधिसूचना क्रमांक 22बी-4-22/98/वा. कर/पांच दिनांक 20.08.1998 के अंतर्गत पूर्व में उपलब्ध थी। हालांकि, हाल ही में लागू की गई ÷माय डीड÷और एनजीडीआरएस ऑनलाइन पद्धति में यह सुविधा हटा दी गई है, जिससे आदिवासी किसानों को आर्थिक नुकसान

उठाना पड़ रहा है। इस विषय में महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक, रायपुर को ज्ञापन सौंपकर मांग की गई है कि शासन की अधिसूचना के अनुसार आदिवासी किसानों को पुनः स्टाम्प शुल्क में छूट का लाभ ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध कराया जाए।

आईजी सरगुजा रेंज श्री दीपक कुमार झा ने आम जनों के लिए जारी किया क्यू.आर. स्केनर कोड

आम नागरिकों एवं पुलिस के बीच सीधा होगा संवाद क्यू.आर. स्केनर कोड के जरिए आम जनता की राह होगा आसान

-संवाददाता-
अंबिकापुर,08 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज श्री दीपक कुमार झा ने अपने अनुभव व तकनीकी ज्ञान का उपयोग करते हुए रेंज के आम नागरिकों की सुगमता व संभाग के पुलिसिंग कार्यों का फीडबैक के लिए रेंज स्तर पर आम जनता हेतु एक डिजिटल क्यू.आर.स्केनर कोड का अनावरण पुलिस को आर्डिनेशन सेंटर (सरगुजा भवन) में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश अग्रवाल व जिले के राजपत्रित अधिकारी/थाना/चौकी प्रभारियों की उपस्थिति में लॉन्च किए। वर्तमान समय में लगभग हर व्यक्ति एंड्राइड मोबाइल का उपयोग कर रहे हैं तथा हर एक कार्य डिजिटल होते जा रहे हैं। शहरी तथा दूर- दराज के ग्रामीण अंचलों के लोगों के सुविधाओं एवं उनका त्वरित सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से आईजी सरगुजा रेंज ने आम नागरिकों के हित में तथा पुलिस से सीधा जोड़ने का एक सरल व सशक्त माध्यम मोबाइल क्यू .आर.स्केनर कोड तैयार कर जारी किया है,

जिससे संभाग के आम जनता अपने क्षेत्र के थाना/चौकी के पुलिसिंग कार्यों के बारे में अपना फीडबैक देने में आसानी से उपयोग कर सकते हैं,तथा जनता द्वारा पोस्ट किए गए अभीमत सुझाव का सही और सटीक जवाब देने का एक बहुत ही सरल माध्यम तैयार किया गया है। रेंज आईजी श्री दीपक कुमार झा द्वारा बताया गया कि पुलिसिंग की दिशा में जारी किए गए इस क्यू.आर.स्कैनर कोड से जनता के प्रति पुलिस के व्यवहार के आकलन एवं उसमें आवश्यक सुधार हेतु अहम साबित होगा। पुलिस कार्यालय थाना चौकियों की जवाबदेही बढ़ेगी एवं जनता के मन में पुलिस के प्रति विश्वास और अधिक गहरा होगा। यह क्यू.आर.स्कैनर कोड जिला मुख्यालय के पुलिस कार्यालय एवं थाना/ चौकी तथा सार्वजनिक स्थानों पर आम नागरिकों हेतु उपलब्ध रहेगा, जिसका उपयोग संभाग की जनता किसी भी स्थान से अपने मोबाइल के माध्यम से लोग अपना व्यक्तिगत क्षेत्र की समस्याओं से संबंधित सुझाव पोस्ट कर सकते हैं। आम जनता द्वारा इस क्यू.आर.स्कैनर कोड में दिए गए सुझाव का मॉनिटरिंग सीधे पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज के मार्गदर्शन में निरंतर की जावेगी। जिससे की रेंज के आम नागरिकों के प्रति पुलिस द्वारा किए गए व्यवहार कार्यों का फीडबैक सुझावों को वरिष्ठ अधिकारी के संज्ञान तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम साबित होगा। इस क्यू.आर.स्केनर कोड के अनावरण दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश अग्रवाल,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमोलक सिंह ढिल्लों, नगर पुलिस अधीक्षक श्री राहुल बंसल व सरगुजा जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारी सहित थाना चौकी प्रभारी उपस्थित रहे।

बाइक में बैठते समय गिरी महिला की मौत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,08 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

जशपुर जिला के चाईमारा निवासी सावित्री बाई पति बलिन्दर यादव 47 वर्ष की बाइक में बैठते समय गिरने से मौत हो गई। बीमार महिला को उसका पति 5 अक्टूबर को उपचार कराने के लिए अस्पताल ले जाने की तैयारी में था। बाइक में बैठते समय महिला खुद को संभाल नहीं पाई और सिर के बल जमीन पर गिर गई थी। स्वजन उसे नारायणपुर स्वास्थ्य केन्द्र लेकर पहुंचे, यहां से प्राथमिक चिकित्सा के बाद रिफर करने पर होलीक्रॉस अस्पताल अंबिकापुर में इलाज करा रहे थे। 7 अक्टूबर को उसकी मौत हो गई। मामले में मर्ग कायम करके पुलिस ने मृतिका के शव का पोस्टमार्टम कराया है।

वृद्ध ने फांसी लगाकर खुदकुशी किया

-संवाददाता-
अंबिकापुर,08 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

कोतवाली थाना क्षेत्र के परसा घुटरापारा निवासी एक वृद्ध अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर खुदकुशी कर लिया। मृतक टुलूराम पिता सोहर 65 वर्ष, 7 अक्टूबर की रात को घर में था। पत्नी और पुत्रों ने उसे खाना खाने के लिए कहा लेकिन वह नहीं खाया। सुबह करीब 4 बजे उसकी पत्नी रामबाई ने देखा कि उसका पति लकड़ी के मयार में फांसी पर झूल रहा है। मां के रोने की आवाज सुनकर उसके पुत्र सहित अन्य मौके पर पहुंचे, लेकिन उसकी सांस नहीं चल रही थी। इसकी सूचना मिलने पर थाना कोतवाली पुलिस पहुंची और मृतक के शव को फांसी से नीचे उतरवाया। मौका पंचनामा करने के बाद पुलिस ने मृतक के शव को मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा। शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया गया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम किया है।

नवविवाहिता ने कुएं में लगाई फांसी,गांव में पसरा मातम,पुलिस पूछताछ जारी

-संवाददाता-
बलरामपुर,08 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

रामानुजगंज जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सरनाडीह के पीपरपारा गांव में एक दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया। एक 21 वर्षीय नवविवाहित महिला ने अपने ही घर के आंगन में स्थित कुएं में साड़ी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद गांव में शोक और सन्नाटा फैल गया है। मृतका की पहचान अंजिल सिंह (उम्र 21 वर्ष) के रूप में हुई है। जानकारी अनुसार, अंजिल की शादी लगभग

एक वर्ष पूर्व महाराजगंज थाना क्षेत्र के ज्ञान सिंह से हुई थी। वह बीते एक माह से अपने मायके सरनाडीह में रह रही थी। परिजनों के मुताबिक, वह ससुराल में रहना नहीं चाहती थी और वैवाहिक जीवन से असंतुष्ट थी।

पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी को 24 घंटे के भीतर दबोचा पास्को एक्ट के तहत कार्यवाही कर भेजा सलाखों के अंदर

-संवाददाता-
कोरंधा,08 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के कोरंधा पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर पास्को एक्ट के तहत कार्यवाही कर भेजा सलाखों के अंदर। जानकारी के अनुसार आरोपी मनीष कुजूर पिता बाबुलाल जाति उरांव उम्र 21 वर्ष सा. कोरंधा महुआटोली, जिला बलरामपुर रामानुजगंज के ऊपर आरोप लगाते हुए प्राथिया के द्वारा थाना करोंधा में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि मेरी नाबालिक लडकी उम्र 17 वर्ष जो कक्षा 11वीं में पढ़ती है, वर्ष 2025 के अप्रैल माह में ग्राम कोरंघा महुआटोली का मनीष कुजूर मेरी बेटी बहला फुसलाकर मैं तुमसे शादी

करूंगा कहकर अपने घर ले गया और लगातार शारीरिक संबंध बनाया उसी बीच मेरी बेटी गर्भवती हो गई। तब मनीष कुजूर मेरी बेटी को मैं तुमसे शादी नहीं करूंगा कहकर भगाने लगा। तब मेरी बेटी आकर मुझसे सारी बातें बाताई, तब मैं आवेदन तैयार कर थाना में रिपोर्ट करने आयी हूं, कृपया उचित कार्यवाही करने की कृपा करें। पुलिस ने पीड़िता कि रिपोर्ट पर थाना कोरंधा में अपराध क्रमांक 32/2025 धारा 64 (2) (द्व) बीएनएस पाक्सो एक्ट की धारा 4,6 कायम कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान आरोपी मनीष कुजूर पिता बाबुलाल जाति उरांव उम्र 21 वर्ष सा. कोरंधा महुआटोली, जिला बलरामपुर रामानुजगंज को हिरासत में लेकर घटना के बारे में कड़ाई से पूछताछ किया गया। जिस पर पूछताछ करने पर आरोपी के द्वारा उपरोक्त धारा सदर का अपराध घटित करना स्वीकार करने पर, दिनांक 08.10.2025 को आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।

14 घरों मे चोरी करने वाला आरोपी 48 घंटे के भीतर गिरफ्तार,सरगुजा पुलिस की त्वरित कार्यवाही

आरोपी के कब्जे से घटना मे प्रयुक्त मोटरसायकल,मौक़े से टुटा हुआ ताला,घटना मे प्रयुक्त छड़ कुल कीमती मशरुका लगभग 02 लाख रुपये किया गया जप्त

-संवाददाता-
अंबिकापुर,08 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

- आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया सामान पंखा,टीवी,स्मार्टवॉच, लैपटॉप एवं चार्जर,वुफर,डीटूएच,जूता,02 नग मोबाइल,02 नग गैस सिलेंडर...
- सम्पति सम्बन्धी अपराधों मे पुलिस टीम द्वारा की जा रही लगातार सख्त कार्यवाही...

मामले का संछिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी कुनाल सिन्हा साकिन मैनपाट नर्मदापुर बरिमा थाना कमलेश्वरपुर हाल मुकाम सुभाषनगर बनारस रोड थाना गांधीनगर द्वारा दिनांक 06/10/25 को थाना गांधीनगर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि प्रार्थी अंजलीघोष के किराया का मकान में निवास करता है कि प्रार्थी एवं अन्य कियेदार दशहरा मे अपने घर गए हुए थे,उसी बीच दिनांक 04/10/25 के देर रात प्रार्थी सहित अन्य कुल 14 रूमो में चोरी की घटना हुई है जिसमे अज्ञात व्यक्ति द्वारा अलग अलग रूम से घडी, 02 पुराना मोबाइल फोन,ब्लूटूथ नैकबैंड,ब्लेजर, और जुता,एलसीडी टीवी, वुफर,10 हजार रुपये नगद,मोबाइल फोन, एचपी लैपटाप और 500/- रुपये नगद,एचपी का लैपटाप और पंखा,व्हाइट ड्रेस 03 नग, 4500 रुपये नगद गैस सिलेण्डर टी शर्ट लोवर, 35 हजार रुपये नगद व 1 फोन चोरी होना बताये है, मामले मे प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना गांधीनगर मे अपराध क्रमांक 580/25 धारा 331(4), 305(ए) का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। मामले को संज्ञान मे लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.) द्वारा पुलिस टीम को मामले के आरोपियों का तत्काल पता तलाश कर गिरफ्तार किये जाने के दिशा निर्देश दिए गए थे, इसी ख़तम मे दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के सीसीटीवी फूटेज का अवलोकन किया गया फूटेज के अवलोकन पश्चात मामले के संदेही की पहचान कर पुलिस टीम के सतत प्रयास से मामले के आरोपी अक्षय पटेल को पकड़कर पूछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा अपना नाम अक्षय पटेल आत्मज पंचम पटेल उम्र 21 वर्ष साकिन सिलसिला कुर्मीपारा थाना लुन्ड्रा का होना बताया, आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर घटना दिनांक को अपने अन्य साथी के साथ मिलकर मोटरसायकल से

मौक़े पर जाकर चोरी की घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया जो घटना पश्चात आरोपी सभी सामान को मोटरसायकल मे रखकर ले गए एवं गैस सिलेंडर को पास के झाड़ी मे फेक देना बताया है, जो आरोपी के निशानदेही पर घटनास्थल के पास झाड़ी से 02 नग गैस सिलेंडर एवं आरोपी के घर से अन्य सामान पंखा, टीवी, स्मार्टवॉच, लैपटॉप एवं चार्जर , वुफर, डीटूएच, जूता, 02 नग मोबाइल, घरेलु कपड़ा एवं आरोपी के कब्जे से घटना मे प्रयुक्त मोटरसायकल, मौक़े से टुटा हुआ ताला,घटना मे प्रयुक्त छड़ कुल कीमती मशरुका लगभग 02 लाख रुपये जप्त किया गया एवं चोरी किये गए कुल नगद रकम 2200/- रुपये को खाने पिने मे खर्च हो जाना बताया है, आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से प्रकरण मे धारा 238, 3(5) बी. एन. एस जोड़कर आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता है, मामले मे शामिल अन्य आरोपी घटना दिनांक से फरार है जिसका पता तलाश किया जा रहा है,फरार आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जायेगा। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रदीप जायसवाल,सहायक उप निरीक्षक विपिन तिवारी आरक्षक अतुल शर्मा, राहुल सिंह, रमन मण्डल सक्रिय रहे।

CMYK

शहरों में बिछ रही गैस पाइप कहीं लोगों के लिए जानलेवा तो नहीं?

गैस पाइप को लेकर शहरवासी असुरक्षित महसूस कर रहे सुविधा कहीं लोगों के लिए बहुत बड़ा खतरा तो नहीं...

शमरोज खान

सूरजपुर,08 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)। बेहतर सुविधा कहानी जानलेवा ना हो जाए कुछ ऐसा ही मानना है लोगों का ज्वलनशील व विस्फोटक पदार्थ में शामिल है घरेलू गैस इस गैस को अब सिलेंडर के माध्यम से नहीं डायरेक्ट घरों में सप्लाई देने की तैयारी चल रही है पर क्या यह सुरक्षित है यह बड़ा सवाल है क्योंकि इसे लेकर लोग असुरक्षित मान रहे हैं गैस सिलेंडर वाला विकल्प ही सुरक्षित है ऐसा उनका मानना है फिर सरकार ऐसा क्यों कर रही है और यह योजना कहीं लोगों को सुविधा देने के बजाय लोगों के जान का खतरा तो नहीं बढ़ा रही? सूरजपुर नगर पालिका क्षेत्र में भूमिगत नेचुरल गैस पाईप लाईन बिछाने के कार्य में मनमानी व बिना अनुमति के क्षेत्र में किए जा रहे कार्य को लेकर पार्षदों सहित नगरवासियों ने मोर्चा खोल दिया है। उल्लेखनीय है कि शहर में अब पाईप लाईन के माध्यम से गैस प्रदाय किए जाने की योजना को अमलीजामा पहनाने का कार्य द्रुत गति से हो रहा है। इसके लिए भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड के टेरेटरी मैनेजर गैस के द्वारा नगर पालिका परिषद को आवेदन पत्र देकर नगर के विभिन्न वार्डों में पाईप लाईन बिछाने के कार्य की अनुमति मांगी

गई थी। जिसके मामले में बीपीसीएल के द्वारा चिन्हांकित जगहों पर पाईप लाईन बिछाने के कार्य के लिए लगभग 120 किमी का विस्तार कार्य किए जाने की मांग की गई, जिस पर नपा प्रबंधन के द्वारा निर्धारित कटिंग में लगभग 38 किमी सीसी रोड व अनुमानित लगभग 87 किमी डिटी रोड की अनुमति नियमों व शर्तों के अधीन दी गई। इस पूरे मामले में समस्त कार्यों को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के उप अभियंता तथा निकाय के जल प्रदाय के उप अभियंता के निरीक्षण में कार्य कराए जाने के साथ कार्य स्थल पर 24 घण्टे निकाय की निगरानी, एक दिन पूर्व निकाय के तकनीकी अधिकारियों को सूचना देकर कार्य करने,पेयजल की पाईप लाईन क्षतिग्रस्त नहीं करने,सुरक्षा के पूर्ण उपाय करने,यातायात बाधित नहीं करने के साथ खुले व किनारे के भाग पर कार्य किए जाने सहित अन्य शर्तों के तहत अनुमति प्रदान की गई।

इस पूरे कार्य में निकाय के अनेक वार्डों में पेयजल पाईप लाईन को जगह-जगह से क्षतिग्रस्त कर दिए जाने और उनके संधारण में पहल न करने के मामले को लेकर भी नपा के भी जनप्रतिनिधियों ने मोर्चा खोल दिया है। दूसरी ओर नगरवार्ड क्रमांक-7 में गोयल मेडिकल के बगल से खोदी जा रही सड़क को नगरवासियों व जनप्रतिनिधियों ने बिना अनुमति के कारण रोक लगा दी है। वार्ड पार्षदों का कहना है कि जहां की अनुमति मिली है, वहीं कार्य करें अन्यत्र स्थानों पर अवैधानिक तरीके से कार्य किया जाना भविष्य में जन हानि व जोखिम का कारण बन सकती है। बहरहाल पुलिस के समक्ष पहुंचे आवेदनों पर फिलहाल पुलिस ने पूरे मामले को जांच में लिया है और इस आशय को लेकर नपा प्रबंधन व संबंधित से भी जानकारी मांगी जा रही है।

जल कार्य सभापति ने पुलिस को सौंपा शिकायत पत्र

इस मामले को लेकर नगर पालिका परिषद की जल कार्य सभापति मंजूलता गोयल ने मनमानी तरीके से किए जा रहे कार्यों को लेकर हो रहे पाईप लाईन नुकसान के मामले में सूरजपुर पुलिस को शिकायत पत्र सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। जिसमें बिना अनुमति वार्ड की गलियों को तोड़ने, सड़कों को क्षतिग्रस्त करने, जानलेवा गड्ढे निर्मित कर देने तथा पाईप लाईन क्षतिग्रस्त कर पेयजल सप्लाई बाधित करने के मामले में शिकायत दर्ज कराई है।

नपा अध्यक्ष ने भी जताया आक्रोश

इस संबंध में नगर पालिका अध्यक्ष कुसुमलता राजवाड़े के समक्ष पार्षदों व नगरवासियों की शिकायत पहुंचने पर उन्होंने भी आक्रोश जताते हुए नपा प्रबंधन को तलब कर पूरी जानकारी ली और कहा कि जहां अनुमति है, वहीं नियमानुसार खुदाई होनी चाहिए, अन्यत्र स्थानों पर किए जा रहे कार्यों को लेकर उन्होंने प्रबंधन के अधिकारी-कर्मचारियों को जांच किए जाने के आदेश देते हुए कहा कि जब तक पूरे मामले की जानकारी नहीं आती तब तक उक्त कार्य निकाय क्षेत्र में बंद रहेगा।

वोट चोर-गद्दी छोड अभियान के तहत विगत 2 दिनों में अकेले अम्बिकापुर में 3000 से अधिक भरे गये फार्म

-संवाददाता-

अंबिकापुर,08 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)। 7 अगस्त को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के द्वारा वोट चोरी पर किये गये खुलासे के बाद आखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने वोट चोर गद्दी छोड के नाम से चरणबद्ध आन्दोलन की शुरुआत 14 अगस्त को मशाल रैली के रुप में की थी। इसी चरणबद्ध आन्दोलन के तहत कांग्रेस पूरे देश में घर-घर जाकर लोगों से मुलाकात कर हस्ताक्षर अभियान चला रही है। इस अभियान के तहत मंगलवार को अम्बिकापुर शहर में पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री टी0एस0 सिंहदेव एवं आखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की सचिव व छत्तीसगढ कांग्रेस कमेटी की सहप्रभारी सुश्री जरीता लैतफलांग के नेतृत्व में कांग्रेस ने शहर के 2 वार्डो में घर-घर जाकर वोट चोर-गद्दी छोड के प्रपत्र को भरवाकर लोगों के हस्ताक्षर प्राप्त किये। मंगलवार की रात 8 बजे प्रारंभ किये गये इस अभियान के तहत मात्र 2 घंटे में विवेकानंद वार्ड एवं रामानुज वार्ड में उक्त वरीष्ठ नेताओं के नेतृत्व में कांग्रेसजनो ने नागरिकों से 500 से

अधिक फार्म भरवाये। इस दौरान पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव ने कहा कि नागरिकों के माध्यम से पूरे देश में 5 करोड हस्ताक्षरयुक्त फार्म भरकर चुनाव आयोग को भेजा जा रहा है। इस प्रपत्र पर वोटर लिस्ट को दुरुस्त करने से लेकर वोटर लिस्ट में गलत ढंग से छेडछाड करने वालों के खिलाफ कार्यवाही की बात है। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मकसद गलत तरीके से बने वोटर लिस्ट को सुधारने की मांग को लोकतांत्रिक तरीके से रखकर वोट चोरी रोकना है। ऐसा नहीं होने पर लोकतंत्र का मूल आधार ही समाप्त हो जायेगा। एआईसीसी सचिव सुश्री जरीता लैतफलांग ने कहा कि इस देश में नागरिकों का वोट चोरी हो रहा है, उनकी पहचान मिटाई जा रही है, उनके अस्तित्व पर खतरा है, उनका हक मारा जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में हम इस अन्यय के खिलफ देश के अंतिम नागरिक के हक के लिये लड रहे हैं। वोट चोर-गद्दी छोड अभियान के तहत विगत 2 दिनों में अकेले अम्बिकापुर में 3000 से अधिक फार्म भरे गये हैं। जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में जिले के 10 सांगठनिक ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों के द्वारा इन फार्मो को भरवाया जा रहा है और बडी संख्या में नागरिक स्वेच्छा से सामने आकर इस फार्म को भर रहे हैं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्री बालकृष्ण पाठक ने कहा कि वोट चोर-गद्दी छोड अभियान के तहत अगामी दिनो में अकेले सरगुजा जिले से 50 हजार से अधिक फार्म को भरवाने का लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान के तहत जिलेभर के विद्यालयों में हुआ सामाजिक अंकेक्षण

कलेक्टर डी. राहुल वेंकट और जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम शर्मा ने विभिन्न स्कूलों का किया निरीक्षण

-संवाददाता-

एमसीबी,08 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)। मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान के तहत जिलेभर के शासकीय विद्यालयों में आज सामाजिक अंकेक्षण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री डी. राहुल वेंकट और जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंकिता सोम शर्मा ने विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण कर शिक्षा की गुणवत्ता, विद्यालयीय व्यवस्थाओं और विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति की विस्तृत समीक्षा की।

कलेक्टर ने देवाडांड संकुल के स्कूलों का किया दौरा : कलेक्टर श्री राहुल वेंकट ने खड़गवां विकासखंड के देवाडांड संकुल अंतर्गत हाई स्कूल देवाडांड, प्राथमिक शाला लकरापारा सहित कई विद्यालयों का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों की उपस्थिति, शिक्षण स्तर, मिड-डे मील की गुणवत्ता,स्वच्छता व्यवस्था, पुस्तकालय संचालन,अधिगम स्तर और शिक्षण सामग्री के उपयोग का बारीकी से अवलोकन किया। कलेक्टर ने बच्चों से आत्मीय संवाद कर पढ़ाई,भोजन,शिक्षण पद्धति और स्कूल वातावरण के बारे में जानकारी ली। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक उत्तर देते हुए बताया कि विद्यालय में शिक्षण कार्य सुचारू रूप से चल रहा है और मिड-डे मील की गुणवत्ता संतोषजनक है। उन्होंने शिक्षकों को निर्देशित किया कि प्रत्येक विद्यार्थी की सीखने की गति पर ध्यान दें ताकि मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान का मूल उद्देश्य हर बच्चा पढ़े, सीखे और आगे बढ़े साकार हो सके। उन्होंने कहा कि सामाजिक अंकेक्षण केवल निरीक्षण की प्रक्रिया नहीं, बल्कि शिक्षा की वास्तविक गुणवत्ता को परखने का सशक्त माध्यम है।

सीईओ ने कोड़ा संकुल में की समीक्षा

जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंकिता सोम शर्मा ने कोड़ा संकुल के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला कोड़ा,माध्यमिक शाला कोड़ा,पूर्व माध्यमिक शाला एवं प्राथमिक शाला नेवरी, माध्यमिक शाला बेलबहरा और प्राथमिक शाला महादेवपाली का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालयों की साफ-सफाई व्यवस्था,पेयजल सुविधा,शिक्षण सामग्री की उपलब्धता और विद्यार्थियों की उपस्थिति की समीक्षा की। सीईओ ने विद्यार्थियों और अभिभावकों से संवाद करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता और सामुदायिक भागीदारी के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि शिक्षा तभी सशक्त होगी जब समाज जिम्मेदारी से इसमें सहभागी बनेगा और हर अभिभावक अपने बच्चों की पढ़ाई पर सक्रिय ध्यान देगा।

02 गुम नाबालिगो कों 01 घंटे के अंदर पुलिस टीम द्वारा सुरक्षित रूप से बरामद कर परिजनों कों किया गया सुपुर्द

-संवाददाता-

अंबिकापुर,08 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)। सरगुजा पुलिस द्वारा गुम नाबालिग बालक/बालिकाओं सम्बन्धी मामलो मे संवेदनशील होकर त्वरित रूप से कार्यवाही की जाती है, इसी क्रम मे आज दिनांक को थाना गांधीनगर अंतर्गत बनारस रोड स्थित अग्रवाल इंडस्ट्रीज के पास 02 अबोध नाबालिगो को बिना किसी परिजनों के अकेले घूमता देखकर शहर के एक संवेदनशील नागरिक आयुष पटेल साकिन नवापारा थाना गांधीनगर द्वारा पुलिस टीम एवं आस पास के दुकानदार एवं रहवासी को सूचित करते हुए बच्चों को तत्काल रेस्क्यू कर बरामद कर थाना लाया गया, मामले को संज्ञान मे लेकर वरिष्ठ

पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.) द्वारा पुलिस टीम को त्वरित कार्यवाही कर नाबालिगो के परिजनों को तत्काल खोज कर सुरक्षित रूप से सुपुर्द किये जाने हेतु निर्देशित किया गया था। इसी क्रम मे पुलिस टीम द्वारा बच्चों से उनके परिजनों के सम्बन्ध मे पूछताछ कर अन्य जानकारी प्राप्त की जा रही थी।

स्व-सहायता समूह से जुड़कर सुनीता ने लिखी आत्मनिर्भरता की कहानी:लखपति दीदी बन आर्थिक रूप से हुई सशक्त

-संवाददाता-

बलरामपुर,08 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)। ग्रामीण क्षेत्रों में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान महिलाओं की आर्थिक उन्नयन की दिशा में सार्थक साबित हो रही है। स्व-सहायता समूह की महिलाएं बिहान के माध्यम से लघु उद्यम प्रारंभ कर आर्थिक दृष्टिकोण से मजबूत बन रही है। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के विकासखंड राजपुर के ग्राम जिगड़ी की लखपति दीदी श्रीमती सुनिता सिंह ने समूह से जुड़कर अपनी सीमित आजिविका को स्थाई व्यवसाय में बदल लिया है। वर्षा महिला स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष सुनिता सिंह आज एक सफल लखपति दीदी बनकर अन्य महिलाओं को प्रेरित कर रही है। श्रीमती सुनिता

सिंह बताती है कि समूह में जुड़ने से पहले उनका जीवन खेती और मजदूरी पर आधारित था। उनके परिवार की कुल वार्षिक आय लगभग 70,000 थी जो परिवार की बढ़ती जरुरतों के सामने कम थी। सीमित आय के कारण बच्चों की शिक्षा और परिवार के स्वास्थ्य पर खर्च कर पाना कठिन था, जिससे उन्हें हमेशा आर्थिक निर्भरता का सामना करना पड़ता था। सुनिता सिंह ने अपने जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए वर्षा महिला स्वयं सहायता समूह से नाता जोड़ा। इस समूह के माध्यम से, उन्हें एनआरएलएम के तहत 15,000 की सामुदायिक निवेश निधि (सीआईएफ) और 60,000 का बैंक ऋण (सीसीएल) प्राप्त हुआ। इस वित्तीय सहयोग का उपयोग करते हुए सुनिता ने एक साहसिक निर्णय लिया। उन्होंने गांव में होटल-ढाबा संचालन करने का निर्णय लिया। इस नए उद्यम को उन्होंने अपनी कृषि आय के साथ जोड़ दिया। समूह से जुड़ने के बाद उनके परिवार की कुल वार्षिक आय 70,000 से बढ़कर अब 1,12,000 हो गई है। आय में इस वृद्धि ने उनके जीवन में स्थिरता लाई है और वे अब विविधीकृत आय स्रोतों के कारण आर्थिक रूप से अधिक सुरक्षित महसूस करती हैं।

आज सुनिता सिंह सिर्फ एक सफल व्यवसायी नहीं हैं बल्कि एक सशक्त लीडर भी है। समूह की अध्यक्ष के रूप में उनकी निर्णय क्षमता और नेतृत्व कौशल में वृद्धि हुई है। आर्थिक रूप से सशक्त होने के बाद वह अब अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिला पा रही हैं और परिवार के बेहतर स्वास्थ्य प्रबंधन की क्षमता रखती हैं।

पिता की हत्या करने वाले आरोपी पुत्र को चौकी सलका-उमेश्वरपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

-संवाददाता-

सूरजपुर,08 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)। मामले के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 05.10.2025 को सजन सिंह के द्वारा अपने घर में सुबह करीब 8 बजे अपनी मॉं कलेश्वरी से खाने-पीने के लिए मांग रहा था जिसके द्वारा मना करने पर अपनी पत्नी को कहा कि मॉं के घर खाना बनाने क्यों आई हो कहकर झगडा विवाद करने पर भाई एवं पिता उजियार सिंह के द्वारा झगड़ा विवाद और खाने-पीने से मना करने की बात को लेकर आरोपी के द्वारा टीना के बेलचा से अपने पिता उजियार सिंह के सिर में प्राण घातक हमला कर दिया। परिजनों के द्वारा उजियार सिंह को मेडिकल कालेज अस्पताल अम्बिकापुर में उपचार के लिए भर्ती कराए जहां उपचार के दौरान दिनांक 06.10.2025 को उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस सहायता केन्द्र मेडिकल कालेज अस्पताल अम्बिकापुर की तहरीर पर मर्ग कायमी उपरान्त अपराध क्रमांक 137/2025 धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

बिना कार्यादेश के हो गया निर्माण एवं मरम्मत कार्य का भुगतान, नवगठित नगर पंचायत के सीएमओ का खुलेआम भ्रष्टाचार जारी ?

- अध्यक्ष,उपाध्यक्ष कक्ष निर्माण एवम मरम्मत के नाम पर निकालकर खाए लाखों,आखिर सीएमओ को है किसका संरक्षण
- कोरिया जिले में बलरामपुर की फर्म नगर पंचायत पटना की चहेती फर्म,बिना कार्यादेश कार्य करने अधिकृत है फर्म
- सीएमओ सिकंदर सिदार ने परिचित व्यक्ति के फर्म को बनाया है अपने लिए भ्रष्टाचार करने का माध्यम,बलरामपुर की फर्म है चहेती फर्म

-संवाददाता-
कोरिया/पटना,08 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

निर्माण कार्य मरम्मत कार्य और टाइल्स फिटिंग कार्य हुआ ही नहीं कार्यादेश में सीएमओ के हस्ताक्षर भी नहीं हुए लेकिन कार्यादेश डिस्पैच हो गया और एक फर्म को कार्य का भुगतान भी हो गया वहीं अति तो तब कही जा सकती है कि न निर्माण हुआ न टाइल्स लगा फिर भी लाखों रुपए एक फर्म के नाम जारी कर दिए गए। फर्म भी जिले की नहीं बगल के जिले की नहीं बल्कि ऐसे जिले की जो जिले से नगर से सैकड़ों किलोमीटर दूर की है जो नगर तक पहुंची भी नहीं लेकिन पैसा वह पा गई। मामला कोरिया जिले के नवगठित नगर पंचायत पटना का बताया जा रहा है और जिसके अनुसार नगर पंचायत पटना के सीएमओ साहब ने अध्यक्ष उपाध्यक्ष के कक्ष निर्माण,मरम्मत और टाइल्स फिटिंग के नाम पर एक फर्म को लाखों रुपए भुगतान कर दिए और जब कार्य के बारे में और भुगतान के बारे में पता किया गया तो पता चला कि कोई काम हुआ ही नहीं न निर्माण हुआ न टाइल्स लगा बस बिल फर्म को भुगतान हो गया। इस गड़बड़ी की जानकारी तब सामने आई जब जेडी कार्यालय अंबिकापुर से जांच दल पटना नगर पंचायत पहुंची और जब उन्होंने दस्तावेजों की जांच की तो यह बात सामने आई कि सीएमओ ने फर्जी आहरण लाखों का केवल एक मामले में ही कर लिया जिस कार्य के कार्यादेश में भी सीएमओ के हस्ताक्षर नहीं हैं,वैसे कार्यादेश जारी होने के नाम पर बिना सीएमओ के हस्ताक्षर के एक पत्र सामने आया जो डिस्पैच भी हुआ नजर आता है लेकिन उसमें सीएमओ के हस्ताक्षर नहीं हैं, इस जांच में यह सामने जरूर आया कि जब भुगतान किया गया तब चेक में सीएमओ के हस्ताक्षर हुए पाए गए, नगर पंचायत पटना के प्रथम सीएमओ बनकर नगर को प्रगति पथ पर आगे बढ़ाने नगर में पदस्थ हुए सीएमओ की यह कोई पहली भ्रष्टाचार वाली कहानी नहीं है,जांच में बताया जाता है कि ऐसे ऐसे फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ जिससे जांच करने आए अधिकारी भी अचंभित हो गए। जांच कर जांच अधिकारी तो लौट गए लेकिन एक सवाल वह अधूरा छोड़ गए वह यह कि क्या नव गठित नगर पंचायत पटना को भ्रष्टाचार के दलदल में उसके जन्म से धकेल देने वाले सीएमओ पर जांच उपरांत कार्यवाही होगी या जांच एक दिखावा था जो सीएमओ को अंत में क्लीन चिट देकर समाप्त कर दी जाएगी, वैसे पटना सीएमओ की नगर पटना में पदस्थ होने से लेकर अब तक कि कारस्तानियां जांच के दायरे में ली जाएं तो यह तथ्य सामने आएगा कि सीएमओ ने नवगठित नगर पंचायत पटना को आर्थिक रूप से अपने लिए दुधारू गाय मानकर उपयोग किया जिसे वह अब तक पूरी तरह निचोड़ चुके हैं। जांच और जांच उपरांत हुई कार्यवाही का अब इंतेजार है जो निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को भी है जैसा बताया जा रहा है नगर पंचायत के और देखना है कि भ्रष्टाचार हारता है या जांच हार जाती है।

नगर पंचायत पटना के सीएमओ के भ्रष्टाचार की कुछ जानकारियां

सीएमओ बनकर नव गठित नगर पंचायत का भाग्य संवारने पटना पहुंचे सीएमओ ने पटना नगर को आरंभ से ही अपने लिए जेब गर्म करने का माध्यम समझा और उन्होंने नगर पंचायत पटना में उपलब्ध विभिन्न विकास राशियों का बंदरबाट किया,अलाव जलाने से लेकर फ्लैस बैनर, बोर्ड, विज्ञापन,टेंट पंडाल,नाश्ता,व्यवस्था,चुनाव,सहित जहां जहां उन्हें लगा कि बिल ऐसे कामों के नाम के लगाकर निकाले जा सकते हैं उन्होंने निकाल लिए,ठंड में अलाव के नाम पर किया गया भ्रष्टाचार सीएमओ का सबसे विचित्र और अनोखा भ्रष्टाचार था जब लोगों को गर्मी देने के नाम पर ही सीएमओ ने खुद की जेब गर्म कर ली थी,अन्य विभिन्न कार्यों जिसमे टेंट पंडाल,फ्लैस बैनर सहित बोर्ड लगाने के नाम पर भी जमकर भ्रष्टाचार किया सीएमओ ने वहीं हद तो तब हुई जब सीएमओ ने अध्यक्ष उपाध्यक्ष के कक्ष के निर्माण की बात कहते हुए लाखों रुपए नगर पंचायत के खाते से अपने चहेते फर्म को भुगतान कर दिए,कक्ष निर्माण मरम्मत के नाम पर निकाली गई राशि के कार्यादेश की बात करें तो वह सीएमओ के हस्ताक्षर के बिना जारी कार्यादेश हैं,वहीं कक्ष निर्माण के लिए मरम्मत के लिए भुगतान अपने ही चहेते सबसे दूरस्थ जिले की फर्म को भुगतान किया सीएमओ ने जिससे उसकी पोल न खुले,कक्ष ग्राम पंचायत द्वारा ही निर्मित थे उसमें टाइल्स भी पहले से लगी थी लेकिन सीएमओ ने पैसे लिए बेशर्मी दिखाई और फर्म को भुगतान कर दिया। सीएमओ की पूरी गड़बड़ियां अब जांच अधिकरियों के समक्ष आई हैं देखना है कि जांच अधिकारी सीएमओ के साथ न्याय करते हैं भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते हैं या नगर पंचायत पटना को एक भ्रष्ट अधिकारी के चंगुल से आजाद कराते हैं जो पैसे की भूख में यह भी भूल गया है कि किसी नवगठित नगर के लोगों की उम्मीदें उससे जुड़ी हैं।

नगरीय प्रशासन विभाग में क्या भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने के लिए ही निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को अधिकार विहीन कर छोड़ दिया गया है...

नगरीय क्षेत्र में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के अधिकार नगरीय क्षेत्र के लिए कुछ भी ऐसे नहीं हैं कि वह निर्णय स्वतंत्र रूप से ले सके या वह नगर क्षेत्र के लिए कोई कार्ययोजना बना सके या उसका प्रस्ताव ला सके या उसे अमली जामा पहना सके,निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की स्थिति वर्तमान में रबर स्टाम्प की भी नहीं रह गई है,न उनके हस्ताक्षर की कोई जरूरत है अधिकारियों को और न उनकी सहमति असहमति की ही जरूरत है,सभी निर्णय नगरीय निकाय के अधिकारियों का एकाधिकार है,जबसे अधिकारियों को ही समस्त शक्तियां प्रदान की गई हैं तभी से यह देखने में आ रहा है कि नगरीय निकाय क्षेत्र में केवल ठेकदारों की ही सत्ता कायम हुई है और अधिकारियों पर से नियंत्रण कम से कम स्थानीय स्तर पर समाप्त हुआ है,नगरीय निकाय क्षेत्र के अधिकारी जिले के बड़े अधिकारियों से भी भय नहीं खाते और वह सीधे मंत्रालय से जुड़े होने की बात कहकर पदस्थ नगरीय निकाय को केवल आर्थिक चोट पहुंचाते हैं। प्रदेश में लगातार देखने सुनने को मिल रहा है कि नगरीय क्षेत्र के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का उसी नगरीय निकाय के अधिकारी से नहीं तालमेल बैठ पा रहा है और इसकी वजह मात्र यही है कि निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के पास कोई अधिकार हैं ही नहीं,निर्वाचित नगरीय क्षेत्र जनप्रतिनिधियों की हालत इस कदर हाशिए पर है कि उनकी वार्षिक निधियों पर भी अब ठेकेदारों और अधिकारियों का अधिकार है,ठेकेदार और अधिकारी ही तय कर रहे हैं कि कहां क्या निर्माण होना है किस वार्ड में क्या भेजना है,निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को फिलहाल अधिकार विहीन करके उनके हाल पर छोड़ दिया गया है जो समझ ही नहीं पा रहे हैं कि वह जनप्रतिनिधि हैं या फिर वह आदेश सुनने और देखने वाले एक 4000 से लेकर 15000 वेतन पाने वाले कर्मचारी।

नगर पटना के भी कुछ फर्म सीएमओ के भ्रष्टाचार में हैं उसके मददगार,पैसा बैंक खाते में लेना और कमीशन काटकर देना है उनका काम,सूत्र

सूत्रों का यह भी कहना है कि नगर पटना के कुछ ऐसे फर्म हैं जो सीएमओ के भ्रष्टाचार को मदद पहुंचा रहे हैं,इन फर्मों की जवाबदारी यह है कि यह सीएमओ के फर्जीवाड़े वाले चेक के भुगतान खुद के खाते में स्वीकार करते हैं और फिर कमीशन काटकर पैसा सीएमओ को लौटा देते हैं,इन नगर की फर्मों ने भी नगर में नगर की विकास राशि के भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया है जिससे ही सीएमओ का मनोबल बढ़ा हुआ है,सीएमओ नगर के ऐसे फर्मों को लगातार राशि जारी कर राशि वापस प्राप्त कर रहा है।

नगर पंचायत के कर्मचारियों के खाते में भी राशि भेजकर वापस लेते हैं सीएमओ,भ्रष्टाचार के लिए कर्मचारियों का भी सहयोग सीएमओ को स्वीकार

सीएमओ को लेकर एक यह भी बात सूत्रों द्वारा बतलाई जा रही है की सीएमओ पैसा नगर पंचायत से आहरण कर जेब में डालने के लिए नगर पंचायत के कर्मचारियों का भी उपयोग कर लेता है,कर्मचारियों के बैंक खाते में पैसा भेजकर वह वापस लेता है और कर्मचारियों से चुप रहने की बात करता है,कर्मचारियों की माने तो वह न चाहते हुए भी ऐसा करने मजबूर हैं क्योंकि वह नियमित कर्मचारी नहीं है और उन्हें ऐसा सहयोग नहीं करने पर निकाल दिए जाने की धमकी सीएमओ देता है। कर्मचारियों तक को भ्रष्टाचारी बनाकर आखिर कौन का साम्राज्य स्थापित करना चाह रहा है पटना सीएमओ सवाल यह बड़ा है।

बलरामपुर जिले की एक फर्म है सीएमओ के लिए विश्वसनीय फर्म,भ्रष्टाचार के लिए फर्म के बैंक खाते का सीएमओ करते हैं उपयोग : सूत्र

नगर पालिका सीएमओ पटना सिकंदर सिदार के भ्रष्टाचार की कहानी कोई एक दो कहानी नहीं है,कुछ महीनों में ही सिकंदर सिदार ने भ्रष्टाचार की सारी हदें पार कर दी हैं और स्थिति यह है की अब यदि भ्रष्टाचार का कोई सबसे बड़ा पदाधिकारी यदि होगा वह भी सीएमओ पटना के सामने शर्मा जाएगा वह मुंह छिपा लेगा,सीएमओ पटना भ्रष्टाचार के लिए बलरामपुर जिले की एक फर्म पर अधिक विश्वास करते हैं जिसके नाम के कई आहरण नगर पंचायत द्वारा किए जाने की जानकारी सूत्रों से प्राप्त हुई है,उक्त फर्म को लेकर किसी के पास कोई जानकारी नहीं है बशर्ते बताया जाता है कि खुद सीएमओ ही उस फर्म के नाम से खुद बिल वाउचर लगाते हैं और भुगतान का चेक फर्म के नाम काटा जाता है,फर्म का संचालक सीएमओ का विश्वासपात्र बताया जाता है जो केवल फर्म के नाम के उपयोग मात्र से कमीशन प्राप्त करता है, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष कक्ष के नाम पर जो भ्रष्टाचार सीएमओ ने किया है उसका भुगतान भी उसी फर्म को किए जाने की बात सामने आई है,सीएमओ का बेखौफ होकर नगर पंचायत पटना में भ्रष्टाचार जारी है और निर्वाचित जनप्रतिनिधि मजबुर हैं मौन हैं क्योंकि वह शासन के नियमों के आगे आधिकारविहीन हैं।

प्रशासन के बिना अनुमति के जप्त स्टोन क्रेशर को दूसरी जगह लगाने का आरोप

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां,08 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

> इस हल्का पटवारी से जप्त क्रेशर मशीन के संबंध में जानकारी चाही तो उन्होंने ने कहा कि मैंने एक सप्ताह पहले जानकारी तहसीलदार खड़गवां को दे दी है।
> **पटवारी हल्का कोडा मीनू कौरव**

> इस संबंध में खनिज विभाग से जानकारी चाही तो माइनिंग अधिकारी आदित्य मानकर एक बताया कि हमारे द्वारा क्रेशर संचालक को नोटिस जारी किया गया है?

क्रेशर जिस जमीन पर लगाया गया है वो जमीन छोटे झाड़ के जंगल की भूमि खसरा नंबर 1080 पर था जिसे खड़गवां तहसीलदार एवं खनिज विभाग के अधिकारियों के द्वारा जप्त किया गया था?
क्रेशर संचालक ने ग्राम पंचायत खनिज विभाग राजस्व विभाग के बिना अनापत्ति प्रमाण पत्र के धड़ल्ले से क्रेशर का निर्माण कार्य किया गया था? शासन और प्रशासन के सारे नियम कायदों का उलंघन करते हुए सारे नियमों को ताक में रखकर जप्त क्रेशर को उखाड़ कर बगल की भूमि पर लगा कर संचालित किया जा रहा है? एमसीबी जिले के जनपद पंचायत खड़गवां के ग्राम पंचायत पैनारी में अवैध स्टोन क्रेशर मशीन लगाने का मामला कुछ समय पहले सामने आया था। जबकि इस स्टोन क्रेशर को बिना अनुमति के अवैध तरीके से लगने के संबंध में समाचार पत्रों में खबर प्रकाशित किया गया था जिसमें हल्का पटवारी में अपने बयान में कहा था कि इसकी जांच कर अपने उच्च अधिकारियों के समक्ष दस्तावेज प्रस्तुत किया है।
जिसकी जांच करने पर ये स्टोन क्रेशर अवैध तरीके से लगाया जाना पाया गया था जिस पर खनिज विभाग के अधिकारियों एवं तात्कालिक तहसीलदार खड़गवां ने इस अवैध स्टोन क्रेशर मशीन से संबंधित समस्त सामाग्री को जप्त किया गया था खड़गवां के ग्राम पंचायत पैनारी में अवैध स्टोन क्रेशर को राजस्व और खनिज विभाग के अधिकारियों ने कार्रवाई करते हुए सील कर दिया था? खड़गंवा विकासखंड के पैनारी गांव में अवैध रूप से संचालित स्टोन क्रशर पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की थी. राजस्व और खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने स्टोन क्रेशर को सील कर दिया था । पैनारी के छोटे झाड़ के जंगल की शासकीय मद की भूमि पर बिना अनुमित के स्टोन क्रशर लगाया गया था. इसके लिए ना तो खनिज विभाग और पर्यावरण विभाग से अनुमति ली गई और ना ही ग्राम सभा की सहमति ली गई थी राजस्व और खनिज विभाग के अधिकारी पैनारी गांव पहुंचे.मौके पर दस्तावेज पेश करने में विफल रहा स्टोन क्रेशर संचालक शिवानी कंस्ट्रक्शन जांच के दौरान संचालक से स्टोन क्रेशर को लेकर वैध दस्तावेज दिखाने को कहा. लेकिन कोई भी दस्तावेज नहीं दिखा पाने पर माइनिंग अधिकारी आदित्य मानकर और तहसीलदार शशि शेखर मिश्रा की अगुवाई में क्रेशर को सील कर दिया गया. 10 लाख रुपये मूल्य का जनरेटर जब्त किया गया। 2 लाख रुपये मूल्य का पैनल बोर्ड जब्त किया गया. 50 हजार रुपये मूल्य का मोटर जब्त किया गया. 50 हजार रुपये का कंप्रेसर जब्त क्रेशर मशीन को जप्त किया गया 6300 घन मीटर मिट्टी खनन का प्रकरण दर्ज किया गया था। जिस खसरा नंबर 1080 पर अवैध क्रेशर मशीन को खनिज विभाग एवं राजस्व की संयुक्त टीम ने जांच किया था। वर्तमान में जिस भूमि पर खसरा नंबर 1080 में क्रेशर मशीन जप्त किया था उस स्थल उस खसरा नंबर 1080 पर जप्त क्रेशर मशीन गायब हो गई है जबकि शासन के अधिकारियों ने अवैध होने पर जपती की कार्यवाही की गई थी और जप्त शुदा क्रेशर मशीन शासन के अधीन रहती है। सूत्रों से जानकारी मिल रही है कि अवैध तरीके से संचालित क्रेशर मशीन पर शासन के अधिकारियों ने केश दर्ज किया गया था जिसे बिना पूर्ण किए ही उस क्रेशर मशीन को उखाड़ कर संचालक ने दूसरे को बेच दिया है? जिस स्थल पर क्रेशर मशीन जप्त की गई थी उस स्थल पर क्रेशर मशीन नहीं है भारी भरकम क्रेशर मशीन का जप्त स्थल से गायब होना शासन की कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है?

न्यायालय नज़ूल अधिकारी अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0 - / ब- 121 / 2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक मतलुब आलम आ0 मो0शरीफ निवासी नवापारा रोड के पास अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा शीट नम्बर -01 नवापारा रोड नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूमि प्लाट नम्बर 7/19 रकबा 675 वर्गमीटर भूमि पर प्रस्तावित नक्शानुसार अनुसार भू-तल पर रकबा 33.18 वर्गमीटर प्रथम तल पर रकबा 48. 09 वर्गमीटर पर व्यवसायिक एवं आवासीय भवन निर्माण कराने हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टेनेन्स खसरा एवं प्रस्तावित ब्लूप्रिंट नक्शा की प्रति सहित आवेदन पत्र न्यायालय अपर कलेक्टर, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 में प्रस्तुत किया है जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 10/10/2025 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा /आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

आज दिनांक- 23/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

(सील) नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार भटगांव, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0149/ब-121/2024 -2025

आवेदक/आवेदिका का नाम रामधन राजवाडे पिता/पति तीजू जाति रजवार निवासी ग्राम बतरा प0ह0न0 31 तहसील सूरजपुर जिला सूरजपूर छ0ग0 नें अपने पत्नि फूलकुंवर मृत्यु दिनांक 26.03/2025 का मृत्यु/जन्म प्रमाण पत्र बनवाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 13/10/2025 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा । तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी ।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 28/08/2025 को जारी किया जाता है।

(सील) कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भटगांव
जिला सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क0 202404020700191 / अ-121/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा विकाश सोनी, विवेक सोनी, संदीप सोनी सभी पिता चमरू प्रसाद, जाति सोनार, निवासी ग्राम झूमरपारा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगजा छ.ग. को सूचित किया जाता है कि आवेदक सीताराम आ. महादेव व अन्य निवासी ग्राम झूमरपारा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ.ग. के द्वारा ग्राम झूमरपारा स्थित खसरा नंबर 317 रकबा 0. 049 हे. भूमि के राजस्व अभिलेखों में त्रुटिवश अनावेदकगण का नाम दर्ज हो गया है तथा खसरा नंबर 351 रकबा 0.085 हे. भूमि के राजस्व अभिलेखों में त्रुटिवश आवेदकगण का नाम दर्ज नहीं हुआ है। आवेदक द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त आवेदन के आधार पर राजस्व प्रकरण क्रमांक 20250400700191/ब-121/2024-25 दर्ज कर त्रुटि सुधार हेतु प्रकरण विचाराधीन है। आवेदक पक्ष को आपका सही पता ज्ञात नही होने के कारण नोटिस तामिली नही हो पा रहा है। समाचार पत्र के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि उक्त संबंध में आपको कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 10/10/2025 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 10/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) तहसीलदार
अम्बिकापुर,सरगुजा

25 दिन बाद भी रिश्वतखोर संजय राठौर पर नहीं हुई कार्यवाही...

जनदर्शन शिकायत पर प्रशासन खामोश क्यों?

संजय राठौर तहसीलदार पर कार्यवाही करने से क्यों घबरा रहा शासन ?

रिश्वतखोर संजय राठौर इतने ईमानदार हैं कि लोग उनका एआई से ऑडियो बना जबरदस्ती बदनाम कर रहे हैं ?

क्या इस तरह की गंभीर शिकायतें केवल कागज़ों तक ही सीमित रह जाएँगी ?

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अगर जनदर्शन जैसे सीधे संवाद मंच पर की गई शिकायतें भी बिना कार्यवाही के लटक जाएँ, तो यह आम जनता के भरोसे को कमजोर करता है। कई लोगों का मानना है कि इस मामले में देरी सिर्फ लापरवाही नहीं बल्कि जानबूझकर टालने जैसी प्रतीत हो रही है। अब जनता यह जानना चाहती है कि प्रशासनिक स्तर पर इस शिकायत की वर्तमान स्थिति क्या है, और तहसीलदार पर कार्रवाई में इतनी देरी क्यों की जा रही है। फिलहाल,कलेक्टर कार्यालय,सुरजपुर और संभागीय आयुक्त कार्यालय,अंबिकापुर दोनों ही इस विषय पर चुप्पी साधे हुए हैं।

तहसीलदार का आरोपों पर बयान, एआई से बनाई गई ऑडियो,क्या तहसीलदार एआई विशेषज्ञ ?

जिस ऑडियो के आधार पर शिकायत की गई जिसे शिकायत का आधार बनाया गया वह ऑडियो एआई तकनीक का उपयोग कर बनाई गई है और मेरी छवि खराब करने की यह कोशिश है यह शिकायत के बाद तहसीलदार का बयान है,अब सवाल यह उठता है कि क्या तहसीलदार एआई तकनीक के विशेषज्ञ हैं,वह एआई के विषय में जिस विश्वास के साथ कह रहे हैं लगता तो यही है,वैसे इस मामले में जिला प्रशासन का मौन भी समझ से परे है,तहसीलदार के ऑडियो की जांच आखिर क्यों नहीं कराई जा रही है, क्या जांच तहसीलदार के पक्ष में कराए जाने का तो प्रयास नहीं है, क्या केवल दोषी राजस्व विभाग का अधिकारी है इसलिए उसके विषय में सच को झूठ साबित करना ही जांच का उद्देश्य होगा, सवाल कई हैं लेकिन जवाब का भी इंतजार है जो जवाब जिले के कलेक्टर को देना है क्योंकि उनके ही समक्ष फरियादी की फरियाद है।

संजय राठौर अपने बचने के लिए एआई का ले रहे सहारा ?

-न्यूज डेस्क-

कोरिया/सूरजपुर,08 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

रिश्वतखोरी के आरोपी तहसीलदार संजय राठौर अब अपने आप को रिश्वतखोर के आरोप से बाहर निकालने के लिए एआई टेक्नोलॉजी को बदनाम कर रहे हैं,उनका कहना है कि उनका जो रिश्वत वाला वीडियो वायरल हुआ है वह किसी ने एआई के माध्यम से बना कर उन्हें बदनाम करने का प्रयास कर रहा है,क्या ऐसा सही में हो रहा है या फिर इन्होंने तत्काल बचने के लिए एआई का सहारा लिया है? वैसे पीड़ित का कहना है कि ऑडियो/वीडियो ओरिजिनल है इसकी टेस्टिंग की जा सकती है शासन चाहे तो इस ऑडियो को टेस्ट करवा सकती है,पर क्या शासन इसका टेस्ट कराएगी या फिर बचने के लिए तहसीलदार साहब खूब ऊंची पहुंच व पैसा का इस्तेमाल करेंगे? क्योंकि यही दो चीज है जो इन्हें बचा सकती है बाकी दस्तावेज तो इन्हें बच्चा नहीं सकते,क्योंकि इनके कारनामे कैसे हैं यह किसी से छुपा नहीं है आज नहीं तो कल न्यायालय में इन्हें मुकी खानी पड़ेगी,पूर्व भैयाथान तहसील के तहसीलदार के खिलाफ जनदर्शन में की गई शिकायत को अब लगभग 25 दिन बीत चुके हैं,लेकिन अब तक कोई

किस के पैरवी पर तहसीलदार संजय राठौर को बिना विभागीय जांच पूर्ण किए बैकुंठपुर में पदस्थ किया गया?

प्रार्थी ने काम न होने पर मांगा तहसीलदार से पैसा तहसीलदार ने कहा आधा काम तो मैंने किया था ना...!

ठोस कार्यवाही उसके खिलाफ सामने नहीं आई है। शिकायतकर्ता का कहना है कि कलेक्टर सुरजपुर ने जनदर्शन के दौरान यह आश्वासन दिया था कि मामला संभागीय आयुक्त कार्यालय भेजा जा रहा है,जांच की जाकर कार्यवाही होगी,परंतु इसके बाद से न जांच शुरू हुई,न किसी अधिकारी की जांच के लिए नियुक्ति की जानकारी दी गई।

इस पूरे प्रकरण ने अब प्रशासनिक पारदर्शिता पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं...

अगर फाइल आयुक्त कार्यालय भेजी जा चुकी है, तो जांच शुरू क्यों नहीं हुई? पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल यह है कि कलेक्टर जनदर्शन में हुई शिकायत की यदि फाइल संभागीय आयुक्त कार्यालय भेजी जा चुकी है तो जांच क्यों आखिर शुरू नहीं हुई,नियमानुसार कलेक्टर जनदर्शन में हुई शिकायत की प्रस्तावित कार्यवाही या उसके संबंध में अपनाई जा रही प्रकिया की जानकारी प्रदान किया जाना आवश्यक है और यह विषय समय सीमा में भी बंधा विषय बन जाता है, ऐसे में 25 दिनों बाद भी किसी प्रकार की कोई सुगबुगाहट नहीं सुनाई देना अजीब विषय है। फाइल यदि संभागीय आयुक्त कार्यालय भेजी गई तो क्या कार्यवाही वहां की गई, जांच दल का गठन किया गया या मामला जांच योग्य नहीं पाया गया यदि जांच दल का गठन हुआ तो क्या उसने जांच किया यदि जांच हुई तो क्या तथ्य सामने आए ऐसे कई सवाल हैं जिनके जवाब अधूरे हैं जिनका जवाब अब शिकायतकर्ता जानना चाहता है।

संबंधित अधिकारी के विरुद्ध अभी तक पुलिस प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं की गई ?

कलेक्टर जनदर्शन में की गई शिकायत की पुष्टि के लिए साक्ष्य भी शिकायतकर्ता ने प्रस्तुत किए, साक्ष्य सहित की गई शिकायत के बावजूद अब तक दोषी तहसीलदार पुलिस प्राथमिकी से बाहर क्यों है, आखिर पुलिस प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं हुई,क्या मामला राजस्व विभाग के अधिकारी से जुड़ा है और दोषी राजस्व विभाग का अधिकारी है इसलिए न्याय के विपरीत अब अधिकारी को बचाने के प्रयास जारी हैं, आम इंसान पर बिना साक्ष्य ही प्राथमिकी दर्ज हो जाता है यदि शिकायत की जाए, तहसीलदार के मामले में हुई शिकायत तो साक्ष्य सहित है आखिर जिला प्रशासन और पुलिस क्यों मजबुर है क्यों वह अक्षम है? जो वह पुलिस प्राथमिकी दर्ज करने से बच रही है, क्या तहसीलदार राजस्व विभाग के पोल खोल सकते हैं, वरिष्ठ अधिकारियों को भी वह अपने साथ लपेट सकते हैं इसलिए तहसीलदार को हर हाल में बचाने का प्रयास जारी है,वैसे बताया जाता है कि तहसीलदार शातिर दिमाग वाले हैं और वह वरिष्ठ अधिकारियों को पोल पट्टी खोलने का भय दिखाकर अपने वश में भी शायद कर चुके हैं इसलिए उनके मामले में अब प्रशासन काफी हद तक उनके पक्ष में रहने मजबूर है।

शिकायत की स्थिति जनदर्शन पोर्टल पर अद्यतन क्यों नहीं की जा रही है ?

जैसा कि कलेक्टर जनदर्शन का एक नियम है कि शिकायतकर्ता को एक शिकायत नंबर प्रदान किया जाएगा और उसकी अद्यतन स्थिति वह लगातार जानता रहेगा जिससे वह अपनी शिकायत पर हुई या हो रही कार्यवाही से अवगत होता रहे और वह जान सके उसकी शिकायत पर हो रही शिकायत की स्थिति क्या है,वह इधर उधर न भटकने की बजाए खुद ऑनलाइन ही यह जान सके कि उसकी शिकायत के निराकरण की असल स्थिति क्या है, तहसीलदार की शिकायत कलेक्टर जनदर्शन में किए जाने के बाद शिकायतकर्ता को शिकायत नंबर तो प्रदान किया गया लेकिन उसकी शिकायत पर हुई कार्यवाही या होने वाली प्रस्तावित कार्यवाही का कोई विवरण ऑनलाइन पोर्टल पर अद्यतन नहीं किया जा रहा है जिससे शिकायतकर्ता परेशान है वह, वैसे तहसीलदार के शिकायत मामले में क्यों प्रशासन अपने ही नियमों कायदों को पालन करने से बच रहा है, क्यों वह कलेक्टर जनदर्शन के नियमों को ही हाशिए पर डाल रहा है यह बड़ा सवाल है।

आरोपी साबित होने पर निलंबित हो चुके तहसीलदार को लेकर भी प्रशासन आखिर क्यों यह सोचने मजबूर की शिकायत झूठी हो सकती है ?

तहसीलदार के मामले में हुई शिकायत की जांच या तहसीलदार पर किसी कार्यवाही के इंतजार में शिकायतकर्ता 25 दिनों से परेशान है,वह शिकायत की स्थिति जानने लगातार चक्कर भी लगा रहा है, इधर तहसीलदार खुद विशेषज्ञ बन गए हैं और वह शिकायत के साक्ष्य को एक तकनीकी छल साबित करने बयान जारी कर रहे हैं,इस मामले में जिला प्रशासन के सामने जनता का एक सवाल और है कि जिस तहसीलदार के विरुद्ध हुई एक शिकायत की प्रथम दृष्ट्या जांच में तहसीलदार दोषी पाए गए निलंबित किए गए उन्हें बाद में अन्यत्र भेजा गया छिपाकर आदेश किया गया उसके मामले में शिकायत अन्य पर इतने विचार की क्या आवश्यकता,जो दोषी रह चुका है, जिसकी आदत में भ्रष्टाचार है वह भ्रष्टाचारी ही होगा वह हरिश्चंद्र राजा कैसे बन जाएगा तत्काल?

कैज व्हील लगाकर सडक पर ट्रैक्टर चलाने पर अब होगी कार्यवाही

-संवाददाता-

कोरबा,08 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

कृषि कार्य के दौरान ट्रैक्टरों में उपयोग किए जाने वाले कैज व्हील को लगाकर सडक़ पर चलाना अब किसानों को पड़ेगा भारी। आरटीओ ने ऐसे वाहनों पर कार्यवाही का फरमान जारी किया है। खेती कार्य के लिए खेतों में गीली मिट्टी को मिलाने के लिए ट्रैक्टरों में चक्के के साथ कैज व्हील लगाई जाती है। खेत में काम पूरा होने के बाद कैज व्हील लगे हुए ट्रैक्टर को किसान सडक पर चलाते हैं। ग्रामीण क्षेत्र में ऐसे ट्रैक्टर नजर आते हैं, जबकि ऐसा करना मोटर वाहन अधिनियम का उल्लंघन है। कैज व्हील के कारण जहां एक ओर सडक खराब होती हैं तो दूसरी ओर चक्कों के बाहर लगे होने के कारण दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इसलिए आरटीओ विवेक सिन्हा ने इस संबंध में परिवहन विभाग के उडन दस्ता टीम को कार्यवाही के लिए निर्देश जारी किया है। उन्होंने किसानों से कहा है कि कृषि कार्य के लिए उपयोग करने वाले कैज व्हील को लगाकर सडक पर न चलाएं, इससे सडक को नुकसान पहुंचता है।

राष्ट्रीय राजमार्ग में दो बाइक में आमने-सामने भिड़ंत से सीआरपीएफ जवान समेत दो की घटना पर मृत्यु

-संवाददाता-

कोरबा,08 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

कोरबा-चांपा राष्ट्रीय राजमार्ग अंतर्गत उरगा थाना क्षेत्र के बरपाली मुख्य मार्ग पर दो बाइक के बीच हुई भिड़ंत में दो युवकों की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई, जबकि एक अन्य युवक घायल हो गया है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। उन्होंने दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, एक बाइक राजमार्ग पर गलत दिशा में चल रही थी और सामने से आ रही दूसरी बाइक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मौके पर ही एक बाइक पर सवार सीआरपीएफ जवान पुष्पेंद्र सिंह की मृत्यु हो गई। दूसरी बाइक पर सवार व्यक्ति को गंभीर चोटें आईं, उसे तुरंत चिकित्सालय ले जाया गया जहा इलाज के दौरान उनकी भी मृत्यु हो गई। वहीं उसका साथी भी गंभीर घायल बताया जा रहा हैं,जिसका चिकित्सालय में इलाज जारी है।

चिरमिरी रिजनल हॉस्पिटल पहुंचे चरणदास महंत

ओपनकास्ट माइंस में हुए हादसे के पीड़ितों से की मुलाकात

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि माइंस में विस्फोट के लिए जो सामान खरीदी होती है उसकी गुणवत्ता की जांच होनी चाहिए

-संवाददाता-

एमसीबी,08 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत मंगलवार को चिरमिरी पहुंचे। कार्यकर्ताओं से मिलने के बाद नेता प्रतिपक्ष सीधे चिरमिरी रिजनल अस्पताल में भर्ती घायल श्रमिकों से मिले। घायल श्रमिकों का चरणदास महंत ने हाल चाल लिया,चल रहे इलाज की भी डॉक्टरों से जानकारी हासिल की। हादसे में घायल मरीजों से बातचीत के दौरान उनका हौसला बढ़ाया।

निष्पक्ष जांच होः नेता प्रतिपक्ष

यह घटना अत्यंत दुखद है और इसकी बेहतर और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए. यह कोई सामान्य भूल या मामूली चूक नहीं है,बल्कि पूरी तरह लापरवाही का मामला है,ब्लास्टिंग के लिए उपयोग की जाने वाली सामग्री की खरीद में भ्रष्टाचार की संभावना को नकारा नहीं जा सकता। इस हादसे की जांच पूरी ईमानदारी और निष्पक्षता के साथ होनी चाहिए,दोषी अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। पीड़ितों को बेहतर इलाज मिले ऐसा हमने कहा है।

श्रमिकों ने घटना के बारे में बताया

घटना के समय मौके पर मौजूद श्रमिकों ने बताया कि अचानक ब्लास्ट होने से खदान क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई थी। कई वाहन और मशीनरी क्षतिग्रस्त हुई,लेकिन समय रहते सभी को सुरक्षित निकाल लिया गया। प्रशासन ने तुरंत राहत कार्य में जुटकर घायलों का इलाज शुरु कराया।

6 अक्टूबर को ओपनकास्ट माइंस में हुआ था विस्फोट

बीते दिन एस ई सी एल चिरमिरी के ओपनकास्ट माइंस में ब्लास्टिंग की तैयारी के दौरान अचानक बारूद अपने आप ब्लास्ट हो गया। इस अप्रत्याशित घटना में 12 श्रमिक,जिनमें महिला कर्मी भी शामिल हैं,घायल हुए और घटना स्थल पर कई वाहन और मशीनरी क्षतिग्रस्त हो गए। गनीमत रही कि किसी भी श्रमिक की जान नहीं गई और कोई बड़ा जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। हादसे में घायल कर्मचारियों का इलाज अभी अस्पताल में जारी है।

सतर्कता से बची कई लोगों की जान

नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने बताया कि घटना के समय खदान क्षेत्र में भारी पत्थर गिरने से बड़ा हादसा होने की संभावना थी,लेकिन समय रहते सतर्कता और भाग्य ने इसे टाल दिया। महंत ने कहा कि श्रमिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। खदान में काम कर रहे लोगों की जान जोखिम में डालने वाले किसी भी तरह की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए।

हादसे के बाद मच गई थी अफरा-तफरी

ओपनकास्ट माइंस में धमाका होने के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई थी. स्थानीय प्रशासन ने भी तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया। घायल श्रमिकों को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनका इलाज जारी है। घटना स्थल पर मौजूद वाहन और उपकरणों को नुकसान होने के कारण खदान संचालन प्रभावित हुआ हुआ। एस ई सी एल प्रबंधन ने कहा कि वे घटना की जांच कर रहे हैं और आगे ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे। केवल घायलों की देखभाल ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि पूरी घटना की जांच होनी चाहिए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों। खदान में काम करने वाले श्रमिकों की सुरक्षा उपकरणों और प्रशिक्षित कर्मचारियों की जिम्मेदारी प्रबंधन की है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी,अचानक से हो गया था धमाका इस अप्रत्याशित ब्लास्टिंग की घटना से खदान क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों में डर और चिंता बनी हुई है। नेता प्रतिपक्ष महंत ने प्रशासन से आग्रह किया कि वे पूरी घटना की गहन जांच करें और दोषी अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करें, महंत ने कहा कि मैं चाहता हूं कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके और खदान क्षेत्र में काम कर रहे श्रमिक सुरक्षित रहें।

रजत जयंती के उपलक्ष्य में 13 अक्टूबर से होंगे विविध आयोजन

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की योजनावार गतिविधियों का रोस्टर जारी

-संवाददाता-

कोरिया,08 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

राज्य गठन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर कोरिया जिले में 13 से 26अक्टूबर तक रजत जयंती समारोह के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देशन और सीईओ जिला पंचायत डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख योजनाओं मनरेगा,बिहान,स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना एवं पंचायत सशक्तिकरण से जुड़ी गतिविधियाँ जिला, जनपद और ग्राम पंचायत स्तर पर होंगी। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य ग्रामीणों को राज्य की विकास यात्रा से जोड़ना, आजीविका,स्वच्छता और आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक करना है। 01 नवंबर को राज्य स्थापना दिवस पर जिलेभर में गृहप्रवेश कार्यक्रमों के साथ समारोह का समापन होगा।

पत्रकार से एक्ट्रेस बनीं दीक्षा जुनेजा

पैसों के लिए एक्टिंग में आईं,ऋषि कपूर की फिल्म से डेब्यू,ओटीटी के हर प्लेटफॉर्म पर अब इनका शो

दीक्षा जुनेजा इंडस्ट्री की उभारती कलाकार हैं। हाल ही में वो नेटफ्लिक्स की सीरीज 'सारे जहां से अच्छा' में नजर आई है। इस सीरीज में उन्होंने इंडस्ट्री की कई दिग्गज कलाकारों के साथ काम किया है और उनसे अपने काम के लिए तारीफें भी बटोरी है। दिवंगत एक्टर ऋषि कपूर के साथ अपने करियर की शुरुआत करने वाली दीक्षा एक्ट्रेस बनने से पहले कास्टिंग असिस्टेंट थीं और उससे पहले जर्नलिस्ट। आज वो ओटीटी के हर प्लेटफॉर्म के लिए काम कर चुकी हैं।

दीक्षा,आपकी सीरीज 'सारे जहां से अच्छा' नेटफ्लिक्स पर आई है। इसमें काम करने का अनुभव कैसा रहा?

मैंने इस सीरीज में 'नसीम' का रोल प्ले किया है। मेरी जर्नी बहुत ही हसल वाली रही है। वेब सीरीज मुझे ऐसे मिली कि मेरी एक मीटिंग गौरव शुक्ला से हुई, जो इस सीरीज के असिस्टेंट डायरेक्टर थे। अगले ही दिन उनका कॉल आया और मुझे रोल मिल गया। मुझे इंतजार नहीं करना पड़ा, काफी जल्दी काम मिल गया। उसके बाद किरदार के लिए मैंने उर्दू डिक्शन की क्लास ली, क्योंकि इस रोल में पंजाबी और उर्दू का बैलेंस चाहिए था। मैं पंजाब से हूं तो पंजाबी आती थी, लेकिन ध्यान इस बात का रखना था कि मेरी पंजाबी भारतीय वाली ज्यादा न लगे, बल्कि पाकिस्तानी साउंड करे, यही सबसे मुश्किल था। हमारे डिक्शन कोच ईश्राग जी थे, जो रिहर्सल करवाते थे। इससे पहले मैंने एक शॉर्ट फिल्म में 'राहिला' नाम का मुस्लिम किरदार निभाया था, उसमें उर्दू सीखी थी, तो अब ज्यादा वक्त नहीं लगा। मेरा मानना है कि एक्टर के तौर पर तलफ्फुज साफ होना चाहिए,एक्टिंग में ये सब बहुत काम आता है। मैं नुसरत साहब के गाने सुनती हूं, वहां से भी बहुत कुछ सीखा। मैंने दो हफ्तों में किरदार के बोलने लायक उर्दू सीख ली थी।

सीरीज में प्रतीक गांधी, रजत कपूर और तिलोतमा शोम जैसे बड़े कलाकार हैं...उनके साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

मुझे जब पता चला कि ये सारे सीरीज का हिस्सा हैं और मुझे इनके साथ काम करने का मौका मिलेगा तो मैं बहुत खुशी हुई थी। मैं तिलोत्तमा मैम की बहुत बड़ी फैन हूं। हालांकि, कई कलाकारों के साथ मुझे सीन शूट करने का मौका नहीं मिला, लेकिन इस बात से बहुत खुशी थी कि जिनके काम देखकर सीखा है, उनके साथ शो शेयर कर रही हूं। सभी एक्टर बहुत स्किल्ड और और अपना काम में काफी अच्छे हैं। मैं सेट पर इन सबसे मिल नहीं पाई क्योंकि हमारे साथ में सीन नहीं थे। लेकिन मैं शो के सक्सेस पार्टी में पहली बार सबसे मिली। मुझे नहीं लगा था कि मेरा किरदार नसीम को इतना प्यार मिलेगा। उस पार्टी में हर कोई शो के साथ मेरे कैरेक्टर के बारे में बात कर रहा था। प्रतीक गांधी और उनकी वाइफ ने मेरी तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने शो में मेरा काम बहुत पसंद आया। हम तुम्हें और देखना चाहते थे। हमारे बच्चों को भी तुम्हारा काम पसंद आया। वहीं, रजत कपूर सर पहले पार्टी में मुझे पहचान नहीं पाए। जब मैंने उन्हें बताया कि मैंने शो में नसीम प्ले किया है फिर वो हैरान रह गए। उन्होंने मुझसे कहा कि मैं आपको पहचान नहीं पाया क्योंकि आप सामने से इतनी अलग लगती हैं। वो पंद्रह मिनट मेरे साथ बैठे और मुझसे बात कीं। मेरी काम की तारीफ की। सीन्स के बारे में डिस्कशन किया। इस तरह वो रात मेरे लिए यादगार बन गई।

आपकी फिल्मोग्राफी देखें तो आपने लगभग हर ओटीटी प्लेटफॉर्म पर काम किया है। इसे आप कैसे देखती हैं?

मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं यहां तक पहुंचूंगी। मैं तो एक्टर बनना ही नहीं चाहती थी, लेकिन किस्मत में था। लोग आकर बताते हैं कि उन्होंने मुझे ओटीटी की फलां सीरीज में देखा है तो अच्छा लगता है। हर प्लेटफॉर्म पर मेरा कोई ना कोई एक शो है, मतलब हर ऑडियंस तक मेरा काम पहुंच रहा है। इससे अच्छा क्या होगा एक एक्टर के लिए कि लोग आपके काम को पहचानते हैं। बतौर एक्टर आप यही तो चाहते हैं कि ऑडियंस तक आपका काम पहुंचे।

आपने हर तरह के जॉनर में काम किया है,तो आपको खुद कौन सा रोल करना ज्यादा पसंद है- कॉमेडी,स्पाई या एक्शन?

मेरे लिए ड्रामा करना आसान है,लेकिन कॉमेडी परफॉर्म करने में ज्यादा मजा आता है। मैं खुद बड़ी फनी हूं तो परफॉर्म करना आसान हो जाता है। जैसी हूं वैसा ही आ जाता है। किसी सीन को देखकर रो देना इतना मुश्किल नहीं, लेकिन कॉमेडी मुश्किल है। जोक सही जगह लैंड करे, इसका ध्यान रखना पड़ता है। ये सब मैंने थिएटर से सीखा है। मैं फिल्म 'हेरा फेरी' की बहुत बड़ी फैन हूं। मैं इस फिल्म को 50 से 100 बार देख चुकी हूं। परेश रावल की एक्टिंग पसंद है, उनकी नकल भी उतारती थी।

आपकी जर्नी काफी दिलचस्प रही हैं। चंडीगढ़ की लड़की पहले जर्नलिस्ट बनीं फिर कास्टिंग असिस्टेंट और अब एक्ट्रेस। इतना ट्रांजिशन कैसे हुआ?

मुझे स्कूल में स्टेज परफॉर्मेंस बहुत पसंद थी। कुछ भी होता, मैं सबसे पहले स्टेज पर पहुंच जाती थी। पेरेंट्स टीचर से कहते बस करो,इससे क्या-क्या करवाओगे। छोटे शहर से थी,तो किसी ने कभी कोई बड़ा सपना दिखाया नहीं, सब हॉबी बनकर रह गया। जब मैं बीकॉम कर रही थी,तो मैं पढ़ाई से बोर हो गई थी। बोरियत भगाने के लिए पंजाबी फिल्मों वॉइस मॉड्यूलेशन करना शुरू किया था। एक्स्ट्रा इनकम भी हो जाती थी। डबिंग के दौरान दोस्तों ने सजेस्ट किया कि इसका कोर्स कर लो। फिर माय एफएम रेडियो में इंटर्न किया। वहां लगा कि आवाज के साथ-साथ मेरा चेहरा भी दिखना चाहिए क्योंकि मैं काफी एक्सप्रेसिव हूं। इसके बाद जर्नलिस्ट बनने का सोचा। दिल्ली में एनडीटीवी में इंटर्न कर रही थी, तभी कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा से मुलाकात हुई। उन्होंने पूछा एक्टिंग करनी है? मैंने कहा-नहीं सर, बिहाइंड द स्क्रीन काम करना है। फिर 2-3 महीने में उनके ऑफिस से कॉल आया कि असिस्टेंट डायरेक्टर की पोस्ट पर काम करना है क्या? फिर मैं दिल्ली से मुंबई शिफ्ट हुई। भगवान का शुक्र है कि अच्छे लोग मिले और किस्मत यहां तक ले आई।

कास्टिंग असिस्टेंट के तौर पर आपका पहला प्रोजेक्ट कौन सा था और आपने उससे क्या सीखा?

मैंने कास्टिंग में 'दंगल' के लिए मुकेश छाबड़ा को असिस्ट किया था। वो मेरा पहला प्रोजेक्ट था। मैंने वहां जितना सीखा, शायद कोई एक्टिंग स्कूल भी ना सिखा पाए। हमें 'दंगल' की स्क्रिप्ट दी गई थी कि कैसे कैरेक्टर चाहिए, उनकी बॉडी लैंग्वेज कैसी होनी चाहिए, सबकुछ। नीतेश सर खुद बताते थे कि लड़की पहलवान जैसी दिखनी चाहिए। हम 6 महीने तक हर स्पोर्ट्स एकेडमी में गए। एक और दिलचस्प बात कि सारी ऑडिशन क्लिप आमिर सर और नीरज सर ने खुद एक-एक करके बैठकर देखी। मुकेश सर के साथ काम करते हुए एक बात मैंने जरूर सीखी कि वो ऑडिशन के वक्त परफॉर्मर को सिर्फ फ्रेम नहीं देते, उसे पूरा बैकग्राउंड और फील देते हैं, जैसे शूटिंग चल रही हो। मैंने 'दंगल' में असिस्टेंट के तौर पर काम करने के बाद ऋषि कपूर सर के साथ फिल्म 'राजमा चावल' से अपना एक्टिंग डेब्यू किया। उसके बाद बतौर एक्टर एमएक्स प्लेयर के लिए 'गर्लफ्रेंड चोर', जी के लिए 'यूनाइटेड कच्चे' शो, फिर रितेश देशमुख के साथ जियो के लिए 'पिल', अमेजन प्लयेर के लिए 'मिट्टी' और अब नेटफ्लिक्स के लिए 'सारे जहां से अच्छा' जैसी सीरीज में काम किया। जल्द ही नागेश कुकनूर के साथ ओटीटी पर मेरा एक और शो आने वाला है।

कैमरे के पीछे से एक्टिंग की तरफ सफर कैसे शुरू हुआ? ऑडिशन की कोई याद?

मुंबई बहुत महंगा शहर है। यहां पर सैलरी के साथ गुजारा मुश्किल था, तो एक्स्ट्रा पॉकेट मनी के लिए मैंने एड करना शुरू किया। दोस्तों ने भी कहा था कि तू एड कर, अच्छी दिखती है। इसलिए ऑफिस के ऑफ डे पर ऑडिशन के लिए जाती थी। साथ ही जब मेरे ऑफिस में कोई एक्टर आते थे,तो मोटिवेट होती थी कि मैं भी ऐसा कर सकती हूं। इसके अलावा मैं कास्टिंग में काम कर रही थी तो वहां से मेरा कास्टिंग में नेटवर्क बन गया था, वहां से मदद मिलती थी। फोन करके कास्टिंग टीम को बता देती थी कि मैं एक्टिंग भी कर रही हूं। कोई रोल हो तो ऑडिशन देना है मुझे भी। मुश्किल था मैनेज करना,लेकिन जैसे ही एक्टिंग में मौका मिला तो मैंने जॉब छोड़ दी। पहला एड मैंने होंडा एक्टिवा के लिए किया। दूसरा एड मैंने विक्रमादित्य मोटवानी के लिए आईफोन का एड किया।

'राजमा चावल' में ऋषि कपूर के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

'राजमा चावल' मेरे लिए बहुत खास था। पहले रीडिंग में ही ऋषि सर ने मुझे कॉम्प्लीमेंट देते हुए कहा था मुझसे कि 'तू तो बहुत सही कर रही है।' एक नए एक्टर को ऐसा ही पुश चाहिए होता है। उन्होंने मेरे बारे में दूसरों से पूछा से भी कि 'ये कहां से आई है?' जब पता चला पंजाब से हूं, तो और भी जुड़ाव हो गया। मेरा किरदार 'राजपारो' भी पंजाब से थी, जो दिल्ली में रहती है। ऋषि सर को लेकर मैं बताना चाहूंगी कि वो नए एक्टर को कितने अच्छे से ट्रीट करते हैं। मेरा पहला पहला प्रोजेक्ट था, तो मेरे पेरेंट्स सेट पर आए थे। उन्होंने मेरी बहुत फ्रिक थी कि ये मुंबई में कैसे रहेगी। ऋषि सर ने मेरे पेरेंट्स से जिस तरह मेरी तारीफ की, वो इतना आश्वस्त करने वाला था कि मैं उसे कभी नहीं भूल पाऊंगी। मेरे पेरेंट्स भी चिंता मुक्त हो गए थे। सपना तो है बड़े पर्दे पर आने का और शायद जल्द कोई मौका मिले। कुछ मौके आए भी थे, लेकिन उतने चैलेंजिंग नहीं थे, इसलिए नहीं किया। अब अगर कुछ अच्छा आएगा तो जरूर करूंगी। मैं बड़े पर्दे पर लव स्टोरी और रोमांटिक रोल करना चाहती हूं। मैं शाहरुख खान को देखकर बड़ी हुई हूं और आजकल लव स्टोरी कम बन रही हैं। ऐसे में मैं लव स्टोरी करना चाहूंगी। साथ ही मेरे फेवरेट डायरेक्टर विक्रमादित्य मोटवानी हैं, जिनके साथ काम करने का सपना है। और रही एक्टर्स की बात, जिनके साथ काम करना का सपना है, वो तिलोत्तमा शोम, शाहरुख खान और रणबीर कपूर, इनके साथ स्टेज शेयर करने की ख्वाहिश है।

पृथ्वीराज सुकुमारन-दुलकर सलमान के घर ईडी की रेड

ममूटी भी जांच के दायरे में,लग्जरी कारों की अवैध स्मगलिंग से जुड़ा है मामला

लग्जरी कारों की स्मगलिंग करने के आरोप में साउथ के पॉपुलर एक्टर दुलकर सलमान, पृथ्वीराज सुकुमारन और एक्टर अमित चक्कलाकल जांच के दायरे में हैं। हाल ही में इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट द्वारा दुलकर सलमान, पृथ्वीराज और अमित के घरों समेत केरल के करीब 17 ठिकानों में छापेमारी की गई। ये छापेमारी केरल के कोझीकोड, मलापुरम, कोट्टयम,एर्नाकुलम और कोयंबटूर जैसे शहरों में हुई। इनमें साउथ के पॉपुलर एक्टर ममूटी का चेन्नई स्थित घर भी शामिल है। जांच टीम सभी के घरों में उन दस्तावेजों की तलाश कर रही है, जिनकी मदद से भूटान से लग्जरी गाड़ियां भारत लाई गईं। इससे पहले भी ईडी ने केरल की कई जगहों पर छापा मारा था और 36 संदिग्ध गाड़ियां जब्त की थीं। इनमें दुलकर सलमान की लैंड रोवर डिफेंडर भी शामिल थी। इस कार्रवाई के खिलाफ दुलकर सलमान ने कार दोबारा हासिल करने के लिए केरल हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी,जिसमें उन्होंने साफ किया कि उनके द्वारा खरीदी गई लग्जरी कार अवैध नहीं है। और उनके पास सभी दस्तावेज हैं। इस पर कोर्ट द्वारा कस्टम टीम को फटकार लगाते हुए अस्थायी रूप से कार लौटाने के आदेश दिए थे।

क्या है पूरा मामला : कस्टम विभाव और राजस्व खुफिया निदेशालय द्वारा ऑपरेशन नुमखोर शुरू किया गया था। जांच में खुलासा हुआ कि भूटान से कई लग्जरी कारें भारत में इम्पोर्ट की जा रही हैं। अवैध तरीके से गाड़ियां लाने से टैक्स चोरी और कस्टम टैक्स चोरी का घोटाला हो रहा है। भूटान से लाई जाने वाली गाड़ियों को सेकेंड हैंड दिखाकर भारत भेजा जाता है, जबकि असल में ब्रांड न्यू और कम चली गई गाड़ियां होती हैं। भूटान से लाई गई गाड़ियों को हिमाचल प्रदेश में रजिस्टर करवाया जाता है, जिसके बाद ये देश के कई शहरों तक पहुंचाई जाती हैं। दुलकर सलमान और पृथ्वीराज सुकुमारन दोनों ही मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में मुख्य रूप से काम करते हैं। दुलकर सलमान ने उस्ताद होटल (2012) से डेब्यू किया था। इसके बाद वह ओके कनमनी (2015), महानति (2018), कुरुप (2021), सीता रामम (2022), और लोका चैप्टरः 1 चंद्रा (2025) जैसी फिल्मों में भी नजर आए हैं। वहीं, पृथ्वीराज सुकुमारन ने फिल्म वास्तवम से डेब्यू किया था।। उनकी अन्य फेमस फिल्मों में क्लासमेट्स (2006),मुंबई पुलिस (2013), एन्नु निंटे मोइदीन (2015), एज्रा (2017), 9 (2019), और जन गण मन (2022) शामिल हैं।

सारा खान ने गुपचुप रचाई दूसरी शादी,इस मशहूर अभिनेता के बेटे को बनाया हमसफर

टीवी शो बिदाई से मशहूर हुई अभिनेत्री सारा खान दूसरी बार शादी के बंधन में बंध गई हैं। वह काफी समय से अभिनेता-निर्माता कृष पाठक के साथ रिश्ते में थीं। अब दोनों ने कोर्ट मैरिज कर अपने रिश्ते पर मुहर लगाई है। सारा और कृष 5 दिसंबर, 2025 को भव्य तरीके से अपनी शादी का जश्न मनाने की योजना बना रहे हैं। बिग बॉस 4 का हिस्सा रह चुकीं सारा की पहली शादी अभिनेता अली मर्चेंट के साथ हुई थी।

डेटिंग ऐप से शुरू हुई थी प्रेम कहानी

सारा ने कहा, हमारी कोर्ट मैरिज निजी है, लेकिन उम्मीद है कि दिसंबर में हम अपनी शादी को नाच-गाने और जश्न के साथ धमाकेदार बनाएंगे। सारा और कृष की प्रेम कहानी डेटिंग ऐप से शुरू हुई थी। इस बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, मैंने कृष की तस्वीर देखी तो मुझे अपनेपन का एहसास हुआ। हमने बातचीत शुरू की और अगले दिन मिले। मैंने पहले ही उसे बता दिया था कि मैं घर बसाने के लिए तैयार हूं।

मशहूर अभिनेता के बेटे हैं कृष : बता दें कि कृष रामानंद सागर की रामायण में लक्ष्मण का किरदार निभाकर मशहूर हुए अभिनेता सुनील लहरी के बेटे हैं। अपने पिता की तरह वह भी पेशे से अभिनेता हैं। उन्हें पीओडब्ल्यूः बंदी युद्ध के और ये झुकी झुकी सी नजर जैसे शो में देखा जा चुका है। सारा की बात करें तो अभिनेत्री ने 2010 में बिग बॉस 4 में अली मर्चेंट से इस्लामिक शादी की थी। हालांकि अगले साल 2011 में दोनों का तलाक हो गया था।

बेहतरीन खिलाड़ियों को मिले सीएट क्रिकेट रेटिंग अवॉर्ड्स

संजू सैमसन बने 'टी-20आई बैटर ऑफ द ईयर'

नई दिल्ली,08 अक्टूबर। मुंबई में 27वें सीएट क्रिकेट रेटिंग अवॉर्ड्स में भारतीय और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के बेहतरीन खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। रोहित शर्मा ने चैंपियंस ट्रॉफी जीत के लिए सुर्खियां बटोरीं। इस समारोह में सबसे ज्यादा चमक संजू सैमसन के नाम रही, जिन्हें 'मेंस टी20आई बैटर ऑफ द ईयर' चुना गया। संजू सैमसन का टी20 क्रिकेट में प्रदर्शन पिछले एक वर्ष में शानदार रहा है। एशिया कप के स्टार्स अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा को पीछे छोड़ते हुए सैमसन ने अपनी बेहतरीन निरंतरता,निडर बल्लेबाज़ी और मैच पलट देने की क्षमता से सबको प्रभावित किया। मिडिल ऑर्डर में पारी को संभालने और मैच फिनिश करने की उनकी कला ने उन्हें भारतीय टी20 टीम का अहम हिस्सा बना दिया है। यह अवॉर्ड उनके करियर का एक बड़ा मील का पत्थर माना जा रहा है, जो उनके मैच जीताने वाले योगदान और टीम में बढ़ते महत्व को दर्शाता है। वरुण चक्रवर्ती को 'मेंस टी20आई बॉलर ऑफ द ईयर' का अवॉर्ड मिला। श्रेयस अय्यर को व्हाइट-बॉल क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन के लिए 'सीएट जियोस्टार अवॉर्ड' से नवाज़ा गया। ओडीआई श्रेणी में न्यूजीलैंड के केन विलियमसन को 'बैटर ऑफ द ईयर' और मैट हेनरी को 'बॉलर ऑफ द ईयर' का सम्मान मिला। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को चैंपियंस ट्रॉफी जीत के लिए विशेष मोमेंटो प्रदान किया गया। महान बल्लेबाज़ ब्रायन लारा और भारत के पूर्व स्पिनर बी. एस. चंद्रशेखर को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

इंडिया अंडर-19 ने ऑस्ट्रेलिया को 7 विकेट से हराया

सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप,खिलन पटेल ने 6 विकेट लिए,वैभव सूर्यवंशी शून्य पर आउट

नई दिल्ली,08 अक्टूबर। इंडिया अंडर-19 ने दूसरे यूथ टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को 7 विकेट से हरा दिया है। ऑस्ट्रेलिया टीम पहली पारी में 135 रन पर ऑल आउट हो गई। जबकि भारतीय टीम ने 171 रनों का स्कोर खड़ा किया। भारतीय टीम 36 रनों की बढ़त हासिल करने में सफल रही। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया 116 रन ही बना सकी। जीत के लिए 81 रनों का लक्ष्य मिला। जिसे महज 12.2 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया।

वेदांत त्रिवेदी 33 और राहुल कुमार 13 रन बनाकर नाबाद रहे। इस तरह दूसरा यूथ टेस्ट 2 दिन के भीतर खत्म हो गया। ऑस्ट्रेलिया को 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा जबकि भारतीय टीम ने लगातार 5वीं जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे का समापन किया। इससे पहले भारतीय टीम ने 3 मैचों की ओडीआई सीरीज 3-0 से अपने नाम की थी।

खेनिल पटेल ने 6 विकेट लिए : इस मुकाबले में भारत के लिए खेनिल पटेल हीरो रहे जिन्होंने कुल 6 विकेट इस मैच में झटके। दोनों पारियों में 3-3 विकेट उन्होंने अपने नाम किए। वहीं पहली पारी में भारत को बढ़त दिलाने में अपने 22 रनों से अहम योगदान भी दिया।

वैभव सूर्यवंशी ने पहले टेस्ट में शतक जड़ा था : वैभव सूर्यवंशी ने इस पूरे दौरे पर कई अच्छी पारियां खेली हैं। उन्होंने वनडे सीरीज के तीनों मैचों में 38, 70 और 16 रन की पारियां खेली थीं। वहीं पहले यूथ टेस्ट में उन्होंने 113 रन बनाए थे और भारत की पारी से जीत में अहम योगदान निभाया था। फिर दूसरे यूथ टेस्ट में उनका प्रफॉरमेंस खास नहीं रहा और वह 20 और 0 का ही योगदान कर पाए। पूरे दौरे पर 14 साल के बल्लेबाज ने अपने टी-20 वाले अंदाज को जारी रखा है। इसके अलावा चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आयुष म्हात्रे ने पूरे दौरे पर कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया।

131 फीट ऊंचाई से गिरी लिफ्ट...4 मजदूरों की मौत

आरकेएम पावर प्लांट में हादसा,6 गंभीर,मृतक और घायल यूपी,झारखंड के रहने वाले

सक्ती,08 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले के डभरा स्थित आरकेएम पावर प्लांट में मंगलवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। बॉयलर मेंटेनेंस के दौरान मजदूरों को ले जा रही एक लिफ्ट करीब 40 मीटर (131 फीट) की ऊंचाई से अचानक गिर गई। इस हादसे में 4 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 6 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

मृतक और घायल मजदूर उत्तर प्रदेश और झारखंड के रहने वाले हैं। हादसे के वक्त लिफ्ट में कुल 10 मजदूर सवार थे। वे सभी प्लांट की पांचवीं मंजिल (करीब 75 मीटर ऊंची) तक जा रहे थे। लेकिन जब लिफ्ट 40 मीटर तक पहुंची, तो अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे गिर गई। गिरते ही प्लांट परिसर में अफरा-तफरी मच गई। यह मामला डभरा थाना क्षेत्र का है। हादसे में दो मजदूरों की मौके

पर ही मौत हो गई थी,जबकि तीसरे ने अस्पताल में दम तोड़ा। बाद में एक और मजदूर की इलाज के दौरान मौत हो गई। घायल मजदूरों को डभरा से रायगढ़ के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मृतक के परिजन और मजदूरों ने किया हंगामा

हादसे के बाद बड़ी संख्या में मजदूरों के परिजन और अन्य मजदूर प्लांट गेट के बाहर जमा हो गए और हंगामा करने लगे। सूचना मिलते ही डभरा पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे के कारणों की पड़ताल की जा रही है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, लिफ्ट में तकनीकी खराबी के कारण यह दुर्घटना हुई। हालांकि, प्लांट प्रबंधन और सुरक्षा विभाग की लापरवाही पर भी सवाल उठ रहे हैं।

बॉयलर में मेंटेनेंस के दौरान हादसा

सक्ती एडिशनल एसपी हरीश यादव ने बताया कि लिफ्ट गिरने से तीन मजदूरों की मौत हुई है और कई अन्य घायल हैं। सभी मजदूर बॉयलर की मरम्मत के कार्य में लगे थे। हादसे के बाद प्लांट में काम कर रहे मजदूरों में आक्रोश फैल गया। स्थिति को देखते हुए डभरा पुलिस बल को मौके पर तैनात किया गया है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और पुलिस मौके पर मौजूद है।

मजदूर बोले...प्रबंधन की लापरवाही से हादसा हुआ

स्थानीय मजदूरों ने आरोप लगाया है कि पॉवर प्लांट प्रबंधन की गंभीर लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है। बताया जा रहा है कि लिफ्ट की नियमित तकनीकी जांच लंबे समय से नहीं की गई थी। घटना के बाद प्लांट प्रबंधन के खिलाफ मजदूर में आक्रोश है। प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को सहायता राशि देने और घायलों के बेहतर इलाज की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं।

महासमुंद में पलटी कार... परिवार के 3 लोगों की मौत

मां और बेटा-बेटी ने तोड़ा दम,पिता-ड्राइवर की हालत नाजुक

महासमुंद,08 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में नेशनल हाईवे-53 पर मवेशियों को बचाने की कोशिश में तेज रफ्तार कार पलट गई। हादसे में एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में मां और बेटा-बेटी शामिल हैं। वहीं पिता और ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को रायपुर रेफर किया गया है। यह घटना मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात पिथौरा थाना क्षेत्र के ग्राम जामपाली के पास हुई। परिवार महाराष्ट्र के चंद्रपुर से झारखंड के धनबाद लौट रहा था।

मवेशियों को बचाने के चक्कर में हुआ हादसा

जानकारी के अनुसार रात करीब 2 बजे महाराष्ट्र के चंद्रपुर से धनबाद (झारखंड) जा रही स्विफ्ट कार (JH 10 CJ 1511) मवेशियों को बचाने की कोशिश में बेकाबू हो गई। कार डिवाइडर से टकरा कर पलट गई। इस दौरान कार के परखच्चे उड़ गए। इस हादसे में कार सवार मां शमा खान (32), बेटी जरीन खान (9) और बेटा आतिश खान (19) की मौके

पर ही मौत हो गई। कार चला रहे सिबू खान (25) और पिता अफरोज खान (45) गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पिथौरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार दिया गया। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें रायपुर रेफर किया गया है, जहां उनकी स्थिति नाजुक बताई जा रही है। परिवार किसी काम से चंद्रपुर गए थे और देर रात धनबाद लौटते समय हादसे का शिकार हो गए। हादसे में कार बुरी तरह डैमेज हो गई। पुलिस ने शवों का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

महिला आयोग की सुनवाई का बहिष्कार किया सदस्यों ने,अध्यक्ष किरणमयी के खिलाफ खोला मोर्चा

प्रेस कांफ्रेंस में कहा - आयोग में नियम से नहीं हो रहा है काम

रायपुर,08 अक्टूबर 2025। प्रदेश में भाजपा की सरकार आने के बाद छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य बनीं लक्ष्मी वर्मा,सरला कोसरिया और दीपिका सोरी ने आयोग की अध्यक्ष के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इस मुद्दे पर प्रेसवार्ता कर सदस्यों ने अध्यक्ष किरणमयी नायक और उनके सचिव अभय सोनवानी पर गंभीर आरोप लगाया।

अध्यक्ष अकेले ही लेती हैं अंतिम निर्णय : तीनों सदस्यों ने कहा कि महिला आयोग में काम नियम से नहीं हो रहा है। आयोग में जिस तरीके से काम हो रहा है वह सही नहीं है, क्योंकि हममें से कोई भी सदस्य को सुनवाई में शामिल नहीं किया जाता है। अध्यक्ष ही अंतिम निर्णय अकेली लेती हैं। नियम से पूरा निर्णय दो सदस्यों के बीच लिया जाना चाहिए। सदस्यों ने कहा कि वे इस मामले को लेकर कोर्ट जाएंगे?,इस पूरे मामले की जानकारी विधि विभाग को देंगे।

अनधिकृत लोग शामिल होते हैं सुनवाई में...

आयोग की सदस्य लक्ष्मी वर्मा, सरला कोसरिया और दीपिका सोरी ने कहा, महिला आयोग में हमारी नियुक्ति 2 महीने पहले हुई है। महिलाएं यहां अपनी समस्या लेकर आती हैं। अध्यक्ष संभाग में सुनवाई करने जाती हैं और हमें सूचित नहीं किया जाता है। अकेली सुनवाई करने जाती हैं। लक्ष्मी वर्मा ने कहा, सुनवाई में अनधिकृत लोग शामिल होते हैं। आयोग में उनके पति सहित दो वकील शामिल होते हैं। इस मामले में कई बार हमने उनको मौखिक रूप से आगाह किया है। एक सुनवाई में उनके श्रीमान बैठे थे।

'तटस्थ हुए आयोग के सचिव'

सरला कोसरिया ने कहा,हम जब सचिव से सवाल करते हैं तो वो बिना जवाब दिए चले जाते हैं। हमने आय व्यय की जानकारी मांगी है। अध्यक्ष भ्रष्टाचार में लिप्त हैं या महिला आयोग को अपना अधिकार समझती हैं। संभाग की प्रभारी लक्ष्मी वर्मा है तो उनसे अनुमति या जानकारी लेना चाहिए। आज हमने सुनवाई का बहिष्कार किया है।

चेंबर में लगी तस्वीरों पर आपत्ति

महिला आयोग अध्यक्ष के चेंबर में सोनिया गांधी, राहुल गांधी और भूपेश बघेल की फोटो लगी है। इस मामले में आयोग की सदस्यों ने कहा, क्या इन लोगों की फोटो वहां रहनी चाहिए? वहां पर सीएम और राज्यपाल का फोटो लगा होना चाहिए।

अध्यक्ष किरणमयी ने क्या कहा ?

वहीं इस पूरे मामले में महिला आयोग की अध्यक्ष किरणमयी नायक ने कहा कि मैं इस मामले में कुछ नहीं कहूंगी। इसमें सचिव ही जानकारी देंगे।

ब्रेन हेमरेज मरीज का मोबाइल चोरी,ऑनलाइन ट्रांजैक्शन कर शातिर ने पैसा भी उड़ा लिया

रायपुर,08 अक्टूबर 2025। रायपुर के मल्टीस्पेशलिटी डीकेएस सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। ब्रेन हेमरेज से पीड़ित एक मरीज का मोबाइल चोरी करके उसके बैंक अकाउंट से 73,000 की

ऑनलाइन ट्रांजैक्शन किया गया। मरीज अस्पताल में भर्ती था और उसके इलाज के दौरान वो जब बेहोशी के हालत में था तभी ये वारदात को अंजाम दिया गया। पीड़ित मरीज देबराज बेहरा, जो कि ब्रेन हेमरेज की गंभीर स्थिति में छ्यस अस्पताल में भर्ती थे, उस समय पूरी तरह होश में नहीं थे। इसी दौरान किसी अज्ञात शख्स ने उनका मोबाइल फोन चोरी कर लिया और फिर उसी फोन के जरिए उनके बैंक अकाउंट से करीब 73,000 रुपये अलग-अलग ट्रांजैक्शन में निकाल लिए। जब देबराज अस्पताल से डिस्चार्ज हुए और कुछ दिन बाद मोबाइल और बैंक स्टेटमेंट चेक किया तो उन्हें इस धोखाधड़ी का पता चला। इसके बाद उन्होंने तत्काल गोलबाजार थाने में एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस मामले ने छ्यस अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल ये उठता है कि जब एक गंभीर रूप से बीमार मरीज जो की बेहोश था उसका मोबाइल चोरी हो सकता है और उसके बैंक से इतनी बड़ी रकम निकाल ली जा सकती है। छ्यस अस्पताल एक प्रतिष्ठित सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल है जहां हर दिन सैकड़ों मरीज इलाज के लिए आते हैं।

पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली हमारी सांस्कृतिक पहचान और जनसेवा की धरोहर:मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर,08 अक्टूबर 2025। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय परंपरागत वैद्य सम्मेलन में शामिल हुए। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार सभी पंजीकृत वैद्यों को प्रशिक्षण देकर उन्हें पंजीयन प्रमाण पत्र प्रदान करेगी, ताकि दस्तावेज़ों के अभाव में उन्हें किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। सम्मेलन में मुख्यमंत्री का स्वागत प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए वैद्यों ने पारंपरिक जड़ी-बूटी की माला पहनाकर किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर औषधीय पौधों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। मुख्यमंत्री साय ने पद्महेमचंद मांझी का उल्लेख करते हुए कहा कि दूरस्थ क्षेत्र में रहकर भी मांझी जी गंभीर बीमारी का उपचार अपने पारंपरिक ज्ञान से

करते हैं। अमेरिका से भी लोग उनके पास उपचार के लिए आते हैं–यह हम सबके लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि वैद्य परंपरा हमारे देश की प्राचीन और समृद्ध चिकित्सा पद्धति है। भारत में लगभग 60 से 70 हजार वैद्य हैं, जिनमें से लगभग 1500 वैद्य छत्तीसगढ़ में सक्रिय हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारी पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी मान्यता दी है। छत्तीसगढ़ पूरे देश में एक हर्बल स्टेट के रूप में पहचान बना चुका है। अकेले छत्तीसगढ़ में ही डेढ़ हजार से अधिक औषधीय पौधे पाए जाते हैं। दुर्ग जिले के पाटन स्थित जामगांव में औषधीय पौधों से अर्क निकालने के लिए एक कारखाना स्थापित किया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने इस दिशा में कार्यों को गति देने के लिए पृथक आयुष मंत्रालय का गठन किया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में उच्च गुणवत्ता वाली जड़ी-बूटियां उपलब्ध हैं। राज्य सरकार क्लस्टर आधारित मॉडल विकसित कर रही है,ताकि स्थानीयता के आधार पर उपलब्ध जड़ी-बूटियों का अधिकतम उपयोग किया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य स्थानीय वैद्यों को रोजगार से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। इसके साथ ही औषधीय पौधों और वृक्षों के संरक्षण की दिशा में भी ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि वैद्यों का समाज में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने पद्महेमचंद मांझी की तुलना रामायण काल के सुषेन वैद्य से करते हुए कहा कि जिस प्रकार सुषेन वैद्य ने लक्ष्मण जी का दुर्लभ उपचार किया था, उसी प्रकार छत्तीसगढ़ में मांझी दुर्लभ से दुर्लभ रोगों का सफल उपचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि परंपरागत वैद्यों का योगदान न केवल मानव स्वास्थ्य बल्कि पशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी अमूल्य है। छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम ने बताया कि इस सम्मेलन में 1300 से अधिक वैद्यों का पंजीयन हुआ है। उन्होंने कहा कि बोर्ड नवरत्न योजना के तहत प्रदेशभर में हर्रा, बहेड़ा,आंवला,मुनगा जैसे नौ प्रकार के औषधीय गुणों वाले पौधे लगाने की पहल करेगा। पद्महेमचंद मांझी ने एक वैद्य के रूप में अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि वैद्यों के पास किसी भी रोग को जड़ से समाप्त करने की कला होती है। उन्होंने कहा कि सही जानकारी और औषधियों के संयोजन से वैद्य कई प्रकार के कैंसर का भी उपचार कर सकते हैं। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव ने कहा कि राज्य के उन आंतरिक क्षेत्रों में,जहां आधुनिक चिकित्सा सेवाएं नहीं पहुंच पातीं, वहां परंपरागत वैद्य अपने पूर्वजों के ज्ञान के माध्यम से लोगों की सेवा करते हैं।

महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप घोटाले से जुड़े सभी आरोपियों को मिली जमानत

रायपुर,08 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के सबसे चर्चित महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप घोटाला मामले से जुडी एक बड़ी खबर निकलकर सामने आ रही है। दरअसल,महादेव ऑनलाइन घोटाले से जुड़े सभी

आरोपियों को जमानत मिल गई। महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप घोटाले से जुड़े सभी 12 आरोपी पिछले ढाई साल से रायपुर सेंट्रल जेल में बंद है। मिली जानकारी के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस स्रूसूदरैश और सतीश चंद्र शर्मा की कोर्ट ने महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप घोटाले से जुड़े सभी आरोपियों को को जमानत दी है। महादेव ऑनलाइन घोटाले से जुड़े भीम सिंह यादव, अर्जुन यादव, चंद्रभूषण वर्मा, सतीश चंद्राकर समेत सभी 12 आरोपियों को जमानत मिल गई है।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के पदाधिकारियों का तबादला

रायपुर,08 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में उच्च न्यायिक सेवा से जुड़े पदाधिकारियों का तबादला और नियुक्तियां की गई है। इस संबंध में विधिवत आदेश भी जारी कर दिया गया है। आदेशानुसार उच्च

न्यायिक सेवा के सदस्य और वर्तमान में विधि एवं विधायी कार्य विभाग के प्रमुख सचिव रजनीश श्रीवास्तव को कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से उच्च न्यायालय के स्थापना में महापंजीयक के पद पर स्थानांतरित किया गया है। इसी तरह उच्च न्यायिक सेवा के सदस्य और वर्तमान में उच्च न्यायालय की स्थापना में महापंजीयक के पद पर पदस्थ, मनीष कुमार ठाकुर को अब कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से उच्च न्यायालय की स्थापना में महापंजीयक (सतर्कता) के पद पर नियुक्त किया है।

आईटी छात्र पर गिरफ्तारी की तलवार लटकी,रायपुर पुलिस एक्शन में

रायपुर,08 अक्टूबर 2025। राजधानी स्थित ट्रिपल आईटी में एआई की मदद से युवतियों की अश्लील तस्वीरें बनाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस घटना के बाद

रायपुर पुलिस भी एक्टिव हो गई है। इसी कड़ी में पुलिस की टीम आज ट्रिपल आईटी के निदेशक ओपी व्यास के दफ्तर पहुंची और प्रकरण के संबंध में उनसे जानकारी ली। पुलिस की टीम में थाना प्रभारी समेत 4 सदस्य शामिल है। गौरतलब है कि,नवा रायपुर स्थित भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपल आईटी) में पढ़ाई करने वाले एक छात्र का सनसनीखेज कारनामा प्रकाश में आया है। छात्र ने एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) की मदद से संस्थान में पढ़ने वाली करीब 30 से ज्यादा छात्राओं के अश्लील वीडियो-फोटो तैयार कर लिए थे। इसकी जानकारी जैसी ही छात्राओं को लगी, उनके पैरो तले जमीन खिसक गई। उन्होंने इसकी शिकायत फ़ौरन प्रबंधन से की। प्रबंधन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस को जानकारी प्रेषित की। वही संस्थान ने छात्र के परिजनों को इसकी सूचना दी और उसे तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। प्रबंधन ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए तत्काल छात्र के कमरे की तलाशी लेते हुए मोबाइल, लैपटॉप और पेन ड्राइव को जब्त कर जांच की। जांच में छात्राओं की शिकायतें सही पाई गई। मामले में आगे की जांच के लिए महिला स्टाफ की एक कमेटी बनाई गई है, जो तकनीकी पहलुओं के साथ अन्य बिंदुओं पर भी जांच कर रही है। वही अब पीड़ित छात्राओं को डर है कि उसने किसी को ये फेक फोटो या वीडियो शेयर तो नहीं किया है,या फिर किसी सोशल मीडिया साइट या एप पर अपलोड तो नहीं किया है।

शराब-घोटाला...चैतन्य की जमानत याचिका खारिज

कोल-लेवी केस में नवनीत-देवेंद्र के खिलाफ 1,500 पन्नों का चालान पेश

रायपुर, 08 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल की जमानत याचिका खारिज हो गई है। बुधवार को रायपुर एसीबी-ईओडब्ल्यू स्पेशल कोर्ट में सुनवाई हुई। इसके अलावा कोल लेवी घोटाला केस में आरोपी जयचंद कोसले की जमानत याचिका भी खारिज कर दी गई है। इससे पहले सोमवार को चैतन्य बघेल को एसीबी-ईओडब्ल्यू की विशेष अदालत में पेश किया गया था। कोर्ट ने चैतन्य को 13 अक्टूबर तक न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा है। सुप्रीम कोर्ट से 90 दिनों में जांच पूरी करने के आदेश के बाद ईओडब्ल्यू ने 14 दिन की

कस्टोडियल रिमांड पर लेकर पूछताछ की। चैतन्य बघेल 18 जुलाई 2025 से जेल में हैं। वहीं अवैध कोल लेवी वसूली मामले में ईओडब्ल्यू ने आरोपी देवेंद्र डडसेना और नवनीत तिवारी के खिलाफ लगभग 1,500 पन्नों का चालान रायपुर की स्पेशल कोर्ट में पेश किया। दोनों आरोपी फिलहाल केंद्रीय जेल रायपुर में बंद हैं। इसके पहले भी कोल लेवी मामले में 17 आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई हो चुकी है। ईओडब्ल्यू के वकील सौरभ पांडेय ने बताया कि ईओडब्ल्यू की कोर्ट में आज स्कैम के 2 मामले में लगे थे। पहला कोल स्कैम का मामला था। कोल स्कैम में नवनीत तिवारी की गिरफ्तारी हुई थी। नवनीत के खिलाफ इन्वेस्टिगेशन पूरी होने के बाद 519 पेज का चालान पेश किया गया है। ईओडब्ल्यू के वकील ने बताया कि इसके साथ ही जयचंद कोसले, जोकि नगर निगम का सामान्य कर्मचारी था, लेकिन सौम्या चौरसिया ने उसे निज सचिव के तौर पर काम करा रहीं थीं।

छत्तीसगढ़ की बेटी राष्ट्रपति के हाथों सम्मानित,लखनी साहू को दिया गया राष्ट्रीय पुरस्कार

रायपुर, 08 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले की छात्रा लखनी साहू को राष्ट्रीय सेवा योजना में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों MY Bharat NSS राष्ट्रीय पुरस्कार (2022-23) से सम्मानित किया गया। लखनी साहू शासकीय पीजी कॉलेज,कोरबा की NSS स्वयंसेविका हैं। लखनी ने निःस्वार्थ सेवा,समर्पण और कर्मनिष्ठा का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न सामाजिक और सामुदायिक विकास कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी लखनी साहू को एक्स (पूर्व ट्विटर) पर बधाई देते हुए कहा, छत्तीसगढ़ की बेटी देश का गौरव! समर्पण,सेवा और कर्मनिष्ठा से लखनी ने पूरे प्रदेश का मान बढ़ाया है। उनकी यह उपलब्धि प्रदेश के

अन्य युवाओं को भी प्रेरणा देगी। यह सम्मान छत्तीसगढ़ की प्रतिभा और एनएसएस कार्यकर्ताओं के जज्बे को दर्शाता है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)